राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 07 जुलाई 2025 वर्ष-8,अंक-138 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

भारत का दिखा शौर्यः ऑपरेशन सिंदूर की थीम पर पीएम मोदी का ब्राजील में हुआ स्वागत

रियो डी जेनेरो।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए ब्राजील पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यहां भव्य स्वागत किया गया। खास बात ये थी कि यहां भारत का शौर्य दिखाई दिया और पीएम का स्वागत ऑपरेशन सिंदूर की थीम पर किया गया। यहां एयरपोर्ट पर उनका राष्ट्रीय सम्मान के साथ स्वागत किया गया। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट शेयर कर कहा, 'मैं रियो डी जेनेरो, ब्राज़ील पहुंचा हूं, जहां मैं ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लूंगा और उसके बाद ब्राज़ील की राजधानी ब्रासीलिया जाऊंगा, जहां मुझे राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा के निमंत्रण पर राजकीय दौरे पर जाना है। इस यात्रा के दौरान उपयोगी बैठकों और संवादों की एक प्रभावशाली श्रृंखला की प्रतीक्षा है।

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अर्जेंटीना गए थे, जहां उनका भव्य स्वागत किया गया। पिछले 57 सालों में यह पहली बार है कि अर्जेंटीना की द्विपक्षीय यात्रा पर भारतीय प्रधानमंत्री पहुंचे। इससे पहले साल 2018 में पीएम मोदी अर्जेंटीना गए थे, लेकिन उस यात्रा का मकसद जी20 शिखर सम्मेलन में शामिल होना था। इस बार उनकी पहली आधिकारिक द्विपक्षीय यात्रा थी।

इससे पहले पीएम मोदी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि ब्यूनस आयर्स में द्विपक्षीय यात्रा को साकार करने के लिए अर्जेंटीना के साथ संबंध स्थापित करना। मैं प्रेसिडेंट जेवियर माइली के साथ फिर से मिलने और उनसे विस्तार से बात करने के लिए उत्साहित हूं। उन्होंने एक अन्य पोस्ट में लिखा, ब्यूनस आयर्स में भारतीय समुदाय द्वारा किए गए शानदार स्वागत से सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह देखना वाकई बहुत अच्छा है कि कैसे घर से हजारों किलोमीटर दूर भारत की भावना हमारे भारतीय समुदाय के माध्यम से चमकती है। प्रधानमंत्री मोदी अर्जेंटीना की दो दिवसीय यात्रा के तहत राजधानी ब्यूनस आयर्स पहुंचे, जहां एजीजा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। वे अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली से भेंट करने के लिए राष्ट्रपति भवन पहुंचे, जहां दोनों के बीच द्विपक्षीय वार्ता हुई। अर्जेंटीना के राष्ट्रपति भवन में प्रधानमंत्री मोदी का पारंपरिक सम्मान के साथ स्वागत किया गया, जहां उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया। इस मौके पर दोनों नेताओं ने गर्मजोशी से एक-दूसरे का अभिवादन किया और गले मिले। फिर प्रतिनिधिमंडल स्तरीय वार्ता के लिए राष्ट्रपति भवन में चले गए।

सनातन महाकुंभ में धीरेंद्र शास्त्री बोले- ईसाई और मुसलमानों से नहीं जाति में बांटने वालों से है दिक्कत

पटना।

सनातन महाकुंभ का आयोजन पटना में किया जा रहा है। बाबा बागेश्वरधाम से आए धीरेंद्र शास्त्री रविवार को सनातन महाकुंभ में हिस्सा लेने पहुंचे तो उन्होंने कहा कि कुछ लोग देश में गजवा-ए-हिंद चाहते हैं, लेकिन हम भगवा-ए-हिंद चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हम राष्ट्रवाद के लिए काम करेंगे, जातिवाद के लिए नहीं। सनातन महाकुंभ में पहुंचे बाबा बागेश्वर ने कहा कि बिहार पहले भी मैं आया हूं और आगे भी आता रहूंगा। चुनाव बाद बिहार में पदयात्रा करूंगा ताकि सनातनियों को जोड़ सकूं। उन्होंने कहा कि मैं किसी एक राजनीतिक पार्टी का हिस्सा नहीं हूं। मैं किसी धर्म का विरोधी नहीं हूं हॉ, उन हिंदुओं का विरोधी हूं, जो सनातन में रहकर हमें जातियों में बांटने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि कहीं भाषा के नाम पर लड़ाई चल रही है, कहीं क्षेत्र की लड़ाई चल रही। ऐसे में उन्होंने आह्वान किया और कहा, हिंदुओं बंटना मत, हिंदुओं कटना मत, हमें मुसलमानों से कोई दिक्कत नहीं है, ईसाइयों से भी दिक्कत नहीं। हमें तो जाति में बांटने वाले हिंदुओं से दिक्कत है। उन्होंने कहा कि हम राजनीति के लिए नहीं बल्कि रामनीति के लिए पटना में आए हैं। दरअसल बाबा बागेश्वर धीरेंद्र शास्त्री सनातन महाकुंभ में हिस्सा लेने पटना एयरपोर्ट पहुंचे थे, जहां से उन्हें गांधी मैदान के लिए निकलना था। इसी दौरान उन्होंने यह सब कहते हुए बताया कि सनातन महाकुंभ है, जिसमें मुझे आमंत्रित किया गया था, मैं उसी सनातन महाकुंभ का हिस्सा बनने गांधी मैदान आया हूं।

सरकारी बंगला खाली नहीं कर रहे पूर्व चीफ जस्टिस चंद्रचूड़

सुप्रीम कोर्ट प्रशासन ने केंद्र सरकार को लिखी चिट्ठी

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट प्रशासन ने एक अभूतपूर्व कदम उठाते हुए भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ से उनका आधिकारिक आवास खाली कराने के लिए केंद्र सरकार को पत्र लिखा है। सूत्रों के मुताबिक, कोर्ट प्रशासन ने केंद्रीय आवास मंत्रालय को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि बंगला नंबर 5, कृष्णा मेनन मार्ग को तुरंत सुप्रीम कोर्ट के हाउस पूल में वापस लिया जाए। सुप्रीम कोर्ट प्रशासन ने कहा कि यह कार्रवाई इसलिए की जा रही है क्योंकि जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ नियम 3बी के तहत निर्धारित समय से अधिक समय तक रुके रहे हैं। उन्हें बनाए रखने का अनुरोध दोनों पहले ही समाप्त हो चुके हैं। **नवंबर 2024 में रिटायर हुए थे चंद्रचूड़** भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ 10 नवंबर, 2024 को सेवानिवृत्त हुए थे। सीजेआई चंद्रचूड़ को दी गई आवासन की अनुमति 31 मई 2025 को समाप्त हो गई थी, और 2022 नियमों के नियम 3बी में प्रदान की गई छह महीने की अवधि 10 मई, 2025 को समाप्त हो गई है। इसके बावजूद, वे अब भी उस बंगले में रह रहे हैं, जिसे सुप्रीम कोर्ट प्रशासन नियमों का उल्लंघन मान रहा है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अब और देरी न करते हुए बंगले का तत्काल कब्जा लिया जाना आवश्यक है, ताकि इसे फिर से सुप्रीम कोर्ट के कार्यात्मक उपयोग में लाया जा सके।

राहुल गांधी ने कहा- बिहार को बना दिया क्राइम कैपिटल, अब बदलाव जरूरी

व्यवसायी खेमका हत्याकांड से राज्य में रोष व्याप्त

नई दिल्ली।

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बिहार की कानून-व्यवस्था को लेकर भाजपा और प्रदेश के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जबरदस्त निशाना साधा है। उन्होंने प्रमुख व्यवसायी गोपाल खेमका हत्याकांड को लेकर कहा कि भाजपा और नीतीश कुमार ने मिलकर बिहार को भारत की क्राइम कैपिटल बना दिया है।

अब जबकि बिहार विधानसभा चुनाव करीब ही हैं तो ऐसे में बदलाव जरुरी हो गया है। राज्य में क्राइम रेट बढ़ने से राजनीति भी गर्मा गई है।

दरअसल कांग्रेस नेता व सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट करते हुए कहा, कि पटना में व्यवसायी गोपाल खेमका की सरेआम गोली मारकर हत्या ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि भाजपा और नीतीश कुमार ने मिलकर बिहार को भारत की क्राइम कैपिटल बना दिया है। बिहार आज लूट, गोली और हत्या के साए में जी रहा है। अपराध यहां नया नॉर्मल बन चुका है- और सरकार पूरी तरह नाकाम। इसी के साथ ही राहुल गांधी ने पोस्ट में आगे लिखा है, कि बिहार के भाइयों और बहनों, यह अन्याय अब और नहीं सहा जा सकता।

जो सरकार आपके बच्चों की सुरक्षा नहीं कर सकती, वह आपके बेहतर भविष्य की जिम्मेदारी भी नहीं ले सकती। हर हत्या, हर लूट, हर गोली- एक चीख है बदलाव की। अब समय है एक नए बिहार का- जहां डर नहीं, तरक्की हो। इस बार वोट सिर्फ सरकार बदलने के लिए नहीं, बल्कि बिहार को बचाने के लिए भी है।यहां बताते चलें कि बिहार के प्रमुख उद्योगपति गोपाल खेमका की हत्या शुक्रवार रात करीब 11 बजे की गई थी।

गांधी मैदान थाना क्षेत्र के रामगुलाम चौक के पास स्थित अपार्टमेंट के गेट के सामने अज्ञात हमलावरों ने उन्हें सिर में गोली मारी थी। गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

हत्या को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है।

वर्ल्ड बैंक लेटेस्ट रिपोर्ट- गिनी इंडेक्स में सामने आई जानकारी...

- भारत दुनिया का चौथा सबसे समान समाज वाला देश बना
- देश में गरीबी की दर 16.2 से घटकर 2.3 प्रतिशत हुई

नई दिल्ली।

भारत दुनिया का चौथा सबसे समान समाज वाला देश बन गया है। इसका मतलब यह है कि देश में जो भी डेवलपमेंट हो रहा है उसका फायदा मैक्सिमम लोगों तक पहुंच रहा है। वर्ल्ड बैंक लेटेस्ट रिपोर्ट गिनी इंडेक्स में यह जानकारी सामने आई है। इस लिस्ट में भारत 167 देशों से ऊपर और स्लोवाक गणराज्य, स्लोवेनिया और बेलारूस से नीचे है। रिपोर्ट के अनुसार भारत दुनिया के उन देशों में चौथे नंबर पर है, जहां आमदनी का बंटवारा सबसे बराबर तरीके से होता है। इसका मतलब है कि भारत में अमीर और गरीब के बीच की आर्थिक खाई पहले की तुलना में कम हुई है। भारत का गिनी इंडेक्स 25.5 है, ये दिखाता है कि देश में आर्थिक असमानता कम है। ये स्कोर स्लोवाक रिपब्लिक, स्लोवेनिया और बेलारूस के बाद आता है। लेकिन चीन (35.7), अमेरिका (41.8) और जी7 और जी20 देशों से बेहतर है। यहां बता दें की गिनी इंडेक्स एक तरह का इक्वालिटी मेजरमेंट है, जो ये बताता है कि किसी देश में आमदनी या दौलत कितनी बराबरी से बंटी हुई है। इसका स्कोर 0 से 100 तक होता है। 0 का मतलब है कि सबके पास बिल्कुल बराबर आमदनी है और 100 का मतलब है कि सारी आमदनी केवल एक व्यक्ति के पास है। भारत का स्कोर 25.5 है, जो मध्यम रूप से कम असमानता की श्रेणी में आता है। 2011 में ये 28.8 था, यानी हाल के सालों में भारत ने बराबरी की दिशा में काफी तरक्की की है। **सरकारी योजनाओं से बदली स्थिति** भारत ने ये काम कई सरकारी योजनाओं और नीतियों की मदद से किया है। उदाहरण के लिए-प्रधानमंत्री जन धन योजना से 55 करोड़ से ज्यादा बैंक खाते खोले गए, जिससे गरीबों को बैंकिंग सिस्टम से जोड़ा गया। 142 करोड़ से ज्यादा लोगों को आधार के माध्यम से डिजिटल पहचान दी गई, जिससे सरकारी मदद सीधे उनके खातों में पहुंचती है। इससे 3.48 लाख करोड़ रुपए की बचत हुई। आयुष्मान भारत योजना ने 41 करोड़ से ज्यादा परिवारों को 5 लाख रुपए तक का हेल्थ कवर दिया। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना से 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज दिया जा रहा है। स्टैंड-अप इंडिया और पीएम विश्वकर्मा योजना से एससी-एसटी और महिलाओं को बिजनेस के लिए लोन और ट्रेनिंग दी जा रही है। इन स्कीम्स के सही इम्प्लिमेंटेशन के कारण 2011 से 2023 के बीच 17.1 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आए और देश में गरीबी की दर 16.2 प्रतिशत से घटकर 2.3 प्रतिशत हो गई।

कई दिनों से छाए बादलों ने दिल्ली को किया तरबतर, पंजाब-हरियाणा में अलर्ट

नई दिल्ली।

मानसून पूरे देश में सक्रिय हो चुका है। पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार, झारखंड, यूपी, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड जैसे राज्यों में लगातार बारिश हो रही है। आज यानी रविवार सुबह दिल्ली के कई इलाकों में बारिश हुई। आसमान पर पिछले कई दिनों से घने बादल छा रहे थे लेकिन बारिश नहीं हो रही थी। अब जाकर बादल बरसे हैं। मौसम विभाग ने पहले ही इसकी चेतावनी जारी कर दी थी।

पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के चलते दिल्ली-एनसीआर में कमजोर पड़े मानसून के मजबूत होने के आसार हैं।

बता दें मौसम विभाग के पूर्वानुमानों के बावजूद दिल्ली में अभी तक जोरदार बारिश देखने को नहीं मिली है। अब आईएमडी ने दिल्ली और आसपास के इलाकों में भी तेज बारिश हो सकती है।

उत्तर भारत के मैदानी भागों में इस सप्ताह भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना जताई थी। रविवार को उत्तर पंजाब और आसपास के इलाकों में एक चक्रवाती परिसंचरण बनने की संभावना है, जो मानसून ट्रफ को उत्तर की ओर खींचेगा।

इन दोनों प्रणालियों के असर से रविवार को व्यापक वर्षा और गरज-चमक के साथ खराब मौसम की स्थिति बने रहने की संभावना है।

इसका असर अगले 48 घंटे तक बना रह सकता है। सोमवार 7 जुलाई तक बारिश का माहौल बना रहेगा।

हरियाणा में बारिश और गरज-चमक के साथ तेज हवाएं चल सकती हैं। इसके बाद पंजाब के मालवा क्षेत्र और उसके तराई क्षेत्रों में भी बिखरी बारिश होगी। पूर्वोत्तर राजस्थान और पश्चिमी यूपी के सटे हुए भागों में भी मौसम का तेवर तल्ख रह सकता है। तेज बारिश, बिजली गिरना, तेज हवाएं और कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि का भी पूर्वानुमान है।

ऐसे में निचले इलाकों में जलभराव और सड़कों के डूबने तक की बात कही गई है।

जोखिम वाले प्रमुख स्थानों में पंजाब का पटियाला, लुधियाना, रोपड़, मोहाली, हरियाणा का चंडीगढ़, पंचकूला, करनाल, अंबाला, पानीपत, सोनीपत, रोहतक, कैथल, जींद, झज्जर, पलवल औ दिल्ली-एनसीआर का नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम, फरीदाबाद शामिल है।

इसके साथ ही पूर्वोत्तर राजस्थान और पश्चिमी यूपी के मुज़फ्फरनगर, मेरठ, मथुरा, अलीगढ़, हापुड़, बुलंदशहर, जयपुर, अलवर, धौलपुर में बाढ़ का खतरा बना हुआ है।

आज ट्रंप से मिलेंगे नेतन्याहू

नई दिल्ली।

तेलअवीव। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू सोमवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से व्हाइट हाउस में मुलाकात करेंगे। इस अहम बैठक में गाजा में युद्धविराम की कोशिशों और ईरान से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। एक्सपर्ट्स का मानना है कि ये मुलाकात ट्रंप की मिडिल ईस्ट में शांति स्थापित करने की कोशिशों का हिस्सा है। डोनाल्ड ट्रंप गाजा में सीजफायर को प्राथमिकता दे रहे हैं और ये मुद्दा दोनों नेताओं की मीटिंग में सबसे ऊपर रहेगा। उन्होंने कहा कि ट्रंप कई दिनों से इस दिशा में संकेत दे रहे हैं। इधर, हमास ने भी अमेरिका द्वारा प्रस्तावित सीजफायर प्लान पर सकारात्मक रुख दिखाया है और बातचीत के लिए तैयार होने की बात कही है। इस योजना में बंधकों की रिहाई और संघर्ष समाप्त करने को लेकर बातचीत का प्रस्ताव है।

अमेरिका के टेक्सास में तबाही का सैलाब!

भीषण बाढ़ में अब तक 51 लोगों की मौत, 27 लापता

नई दिल्ली।

अमेरिका के दक्षिण मध्य क्षेत्र में स्थित टेक्सास राज्य केर काउंटी में भारी बारिश की वजह से आई फ्लैश फ्लड की वजह से हाहाकार मचा दिया है।

इस प्राकृतिक आपदा में अब तक 51 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं दर्जनों लोग घायल हैं, जिनमें कैंप के ली गईं 27 बच्चियां भी शामिल हैं।

बड़े स्तर पर प्रशासन द्वारा लोगों को बचाने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। अधिकारियों द्वारा अभी लापता लोगों की संख्या जारी नहीं की गई है।

फ्लैश फ्लड की वजह से केर काउंटी में सैकड़ों पेड़ उखड़ गए, गाडियां पलट गईं और कई इमारत को भी नुकसान पहुंचा है। चारों ओर कीचड़ ही कीचड़ दिख रहा है। रेस्क्यू में शामिल दलों को कीचड़ से भरे इलाकों में लगातार तलाश कर रहे हैं।

8 मीटर ऊंची लहरों में बह गए घर और गाडियां

भारी बारिश की वजह से ग्वाडालूप नदी में उफान आ गया। नदी का जलस्तर लगभग 26 फीट तक बढ़ गया, जिससे कई वाहन और घर बह गए। मौसम अभी शांत होता नहीं दिख रहा है। बारिश अभी भी जारी है। सैन एंटोनियो के आसपास के इलाकों में फ्लैश फ्लड जैसे हालात बने हुए हैं।

हेलीकॉप्टर और ड्रोन से राहत अभियान

रेस्क्यू अभियान में हेलीकॉप्टर, ड्रोन और नावों का इस्तेमाल कर लापता लोगों का पता लगाया जा रहा है।

लोगों को पेड़ों और छोटे टापुओं से भी बताया गया है। अधिकारियों के अनुसार, अब तक 850 से ज्यादा लापता लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है।

दलाई लामा के जन्मदिन पर पीएम मोदी ने दी बधाई, कहा- वो प्यार, करुणा और धैर्य का प्रतीक

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तिब्बत के आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा आज 90 साल के होने पर उन्हे जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं।

मोदी ने दलाई लामा को 'प्यार, करुणा, धैर्य और नैतिक अनुशासन'का प्रतीक बताया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर उनके अच्छे स्वास्थ्य और लंबी उम्र की कामना की।

पीएम मोदी ने कहा कि 1.4 अरब भारतीयों की तरफ से वो दलाई लामा को शुभकामनाएं देते हैं।

दलाई लामा का जन्मदिन भारत में भी बड़े धूमधाम से मनाया गया। रविवार सुबह हिमाचल प्रदेश के शिमला के पास स्थित डोरजिडक मठ में तिब्बती बौद्ध भिक्षुओं ने उनके लिए विशेष प्रार्थना की।

इससे एक दिन पहले धर्मशाला में एक बड़ा कार्यक्रम हुआ, जिसमें बीजेपी नेता विजय जॉली और जेडीयू नेता राजीव रंजन (ललन) सिंह सहित कई प्रमुख भारतीय नेताओं ने हिस्सा लिया। धर्मशाला में ही दलाई लामा का मुख्य निवास भी है। दलाई लामा को पूरी दुनिया में शांति, सहनशीलता और मानवता का प्रतीक माना जाता है। वो धर्म, जाति और राजनीति से ऊपर उठकर मानवता की बात करते हैं। भारत में रहते हुए भी उन्होंने कभी चीन विरोधी राजनीति नहीं की, बल्कि हमेशा संवाद और शांति का रास्ता अपनाने की अपील की है। उनका मानना है कि दुनिया में सबसे ज्यादा जरूरत प्यार, करुणा और धैर्य की है। यही वजह है कि उनका सम्मान हर धर्म और देश में होता है।

बचपन में पहचानी दलाई लामा की महानता

दलाई लामा का असली नाम तेनजिन ग्यात्सो है। उनका जन्म छह जुलाई 1935 को तिब्बत के ताक्सर गांव में हुआ था। महज दो साल की उम्र में ही उन्हें तिब्बत के 13वें दलाई लामा का पुनर्जन्म माना गया। इसके बाद 1939 में उन्हें ल्हासा लाया गया और 22 फरवरी 1940 को उन्हें तिब्बत के सर्वोच्च नेता के रूप में स्थापित किया गया। छह साल की उम्र में उन्होंने बौद्ध शिक्षा ग्रहण करनी शुरू कर दी थी।

भारत आए थे दलाई लामा

साल 1950 में जब चीन ने तिब्बत पर हमला किया, तब दलाई लामा को राजनीतिक जिम्मेदारी संभालनी पड़ी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ट्रॉट ने शुभमन को विश्व स्तरीय खिलाड़ी बताया

बर्मिंघन। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर जोनाथन ट्रॉट ने भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल की जमकर प्रशंसा की है। ट्रॉट ने कहा है कि शुभमन एक विश्व स्तरीय खिलाड़ी और कुशल कप्तान हैं। उन्हें पता है कि किस गेंदबाज का सामना कैसे करना है। तेज गेंदबाजों ब्रायडन कार्स और क्रिस वोक्स का जिस प्रकार से उन्होंनें सामना किया उससे इस बार का अंदाजा हुआ है। उन्होंने दिखाया है कि किस प्रकार से दो अलग-अलग गति वाले गेंदबाजों का मुकाबला किया जाना चाहिये। सभी तेज गेंदबाजों के खिलाफ एक ही रणनीति नहीं चल सकती है। यही वह विशेषता है, जो अच्छे खिलाड़ियों को औसत खिलाड़ियों से, जबकि विश्व स्तरीय खिलाड़ियों को अन्य खिलाड़ियों से अलग बनाती है। उन्होंने साथ ही कहा, इससे कप्तानी पर भी प्रभाव पड़ता है। सबसे खास बात कप्तान बनने के बाद उनकी बॉडी लैंग्वेज में बदलाव आया है। उन्होंने आगे बढ़कर टीम का नेतृत्व किया है जिससे मेजबान टीम को स्पष्ट संकेत दिया है वह दबाव में आने वाले नहीं हैं शुभमन ने अब तक दोनो ही मैचों में दबाव के बीच भी शतक लगाये हैं। वह इंग्लैंड में लगातार दूसरे टेस्ट में शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय कप्तान हैं। उनसे पहले मोहम्मद अजहरुद्दीन ने यह उपलब्धि हासिल की थी।

टेस्ट और वनडे में दोहरा शतक लगाने वाले खिलाड़ियों की खास सूची में शुभमन का नाम

इस खास क्लब में दुनिया भर से सिर्फ पांच खिलाड़ी शामिल हैं और उनमें से चार भारतीय

नई दिल्ली।

भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ एजबेस्टन में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट में दोहरा शतक जमाकर कई बड़ी उपलब्धियां अपने नाम कर लीं। गिल ने पहली पारी में 269 रन बनाए और वह एसईएनए देशों (साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) में टेस्ट में दोहरा शतक लगाने वाले पहले एशियाई बल्लेबाज़ बन गए। इसके अलावा उन्होंने भारत के लिए टेस्ट में बतौर कप्तान सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारी का रिकॉर्ड भी तोड़ा। गिल की इस ऐतिहासिक पारी ने उन्हें क्रिकेट के उन चुनिंदा खिलाड़ियों की सूची में शामिल कर दिया है जिन्होंने वनडे और टेस्ट दोनों प्रारूपों में दोहरा शतक जड़ा है। इस खास क्लब में दुनिया भर से सिर्फ पांच खिलाड़ी शामिल हैं और उनमें से चार भारतीय हैं।

शुभमन गिल ने जनवरी 2023 में हैदराबाद में न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे में 208 रन बनाए थे और वह यह कारनामा करने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय बने थे। अब इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में 269 रन बनाकर उन्होंने साबित कर दिया कि वह हर फॉर्मेट में लंबी पारियां खेलने में सक्षम हैं। इस सूची में भारत के स्टार ओपनर रोहित शर्मा का भी नाम है, जो वनडे क्रिकेट में तीन दोहरे शतक लगाने वाले दुनिया के एकमात्र खिलाड़ी हैं। उन्होंने 2014 में श्रीलंका के खिलाफ 264 रन बनाकर वनडे का सर्वोच्च स्कोर बनाया था। टेस्ट में भी उन्होंने 2019 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 212 रन की बड़ी पारी खेली थी।

क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर इस सूची के खास सदस्य हैं। उन्होंने 2010 में ग्वालियर में साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे इतिहास का पहला दोहरा शतक जमाया था। उनकी 200* रन की पारी ने वनडे बल्लेबाजी को नई ऊंचाई दी। टेस्ट में उनके नाम छह दोहरे शतक दर्ज हैं, जिनमें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 241* और बांग्लादेश के खिलाफ 248* रनों की पारियां यादगार मानी जाती हैं। वहीं वीरेंद्र सहवाग भी इस लिस्ट में शामिल हैं। उन्होंने 2011 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 219 रन की विस्फोटक वनडे पारी खेली थी। टेस्ट क्रिकेट में सहवाग के नाम दो ट्रिपल सेंचुरी हैं पाकिस्तान के खिलाफ 309 और साउथ अफ्रीका के खिलाफ 319 रन, इसके अलावा भी उन्होंने कई बार टेस्ट में दोहरा शतक जमाया है।

इस सूची में चाथा नाम रोहित शर्मा का हैं वनडे क्रिकेट के इतिहास में सबसे बड़ी पारी खेलने का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी रोहित के नाम है।

टेस्ट क्रिकेट में 1000 रन बनाने वाली पांचवी टीम बनी टीम इंडिया

बर्मिंघम।

शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम ने मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में कुल 1000 रन बनाकर एक नया रिकार्ड बनाया है। टीम इंडिया इसी के साथ ही एक टेस्ट मैच में 1000 से अधिक रन बनाने वाली दुनिया की 5वीं टीम बन गई है। पहले टेस्ट में जहां भारतीय टीम की ओर से पांच शतक लगे थे और उसने पांच सौ से अधिक रन बनाये थे।

वहीं वहीं एजबेस्टन में जारी दूसरे टेस्ट की दोनो पारियों को कुल मिलाकर भारतीय टीम ने 1000 रन बनाये हैं। भारतीय टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ जब एक मैच में ही टीम ने 1000 से अधिक रन बनाये हैं। इससे पहले भारतीय टीम ने सिडनी में साल 2004 में एक मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कुल 916 रन बनाए थे।

वहीं एक टेस्ट मैच में सबसे ज्यादा रन बनाने का विश्व रिकॉर्ड इंग्लैंड के नाम है। इंग्लैंड ने साल 1930 में वेस्टइंडीज के खिलाफ कुल 1121 रन बनाए थे। गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम विश्व क्रिकेट में एकमात्र ऐसी टीम है जिसने दो बार एक टेस्ट मैच में 1000 से अधिक रन बनाए हैं। ऑस्ट्रेलिया ने साल 1934 में इंग्लैंड के खिलाफ कुल 1028 रन बनाए थे, वहीं 1969 में उसने वेस्टइंडीज के खिलाफ 1013 रन बनाये थे। पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ साल 2006 में एक मैच में कुल 1078 रन बनाए थे, वहीं दक्षिण अफ्रीका ने साल 1939 में इंग्लैंड के खिलाफ 1011 रन बनाये थे।

यशस्वी अपने दृष्टिबाधित प्रशंसक बच्चे से मिले, बल्ला उपहार में दिया

बर्मिंघम।

भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने इंग्लैंड दौरे में अपनी शानदार बल्लेबाजी के साथ ही अपने एक और काम से सभी का दिल जीता है। यशस्वी ने अपने एक दृष्टिबाधित प्रशंसक बच्चे से मुलाकता कर उसे अपने ऑटोग्राफ वाला बल्ला भी उपहार में दिया है। ये बच्चा यशस्वी का बड़ा प्रशंसक होने के साथ ही उसके मिलना चाहता था। रवि नाम के इस बच्चे ने पहले टेस्ट के दौरान भी यशस्वी से मिलने का प्रयास किया था पर वह तब वह नहीं मिल पाया था। वहीं यहां के एजबेस्टन मैदान पर तब उसकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा जब उसकी ये इच्छा पूरी हो गई। खेल के प्रति रवि के जुनून और उसके प्रति प्रेम से यशस्वी भी भावुक हो गये और उन्होंने इस बच्चे को अपने ऑटोग्राफ वाला बल्ला उपहार में दिया, जिस पर संदेश लिखा था, 'रवि को प्यार के साथ शुभकामनाएं। इसका एक विडियो भी भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोशल मीडिया पर जारी किया है। इसमें यशस्वी ने रवि से कहा, 'हैलो रवि, आप कैसे हैं? मैं यशस्वी हूं, आपसे मिलकर खुशी हुई। मैं आपसे मिलने के लिए वास्तव में उत्साहित था क्योंकि मुझे पता है कि आप क्रिकेट के बहुत बड़े प्रशंसक हैं। साथ ही कहा, 'मेरे पास आपके लिए एक उपहार है मेरा बल्ला। मैं चाहूंगा कि आप इसे मेरी याद के रूप में रखें। आपसे मिलकर वास्तव में बहुत अच्छा लगा। इस पर रवि ने कहा, 'आपसे मिलकर मुझे भी बहुत खुशी हुई। बहुत-बहुत धन्यवाद। आप शानदार क्रिकेटर है। आप भारतीय क्रिकेट का भविष्य हैं। मुझे आपकी बल्लेबाजी देखना पसंद है। यशस्वी ने बेहद कम समय के अंदर ही भारतीय टीम में अपनी जगह बनायी है।

रोहित और कोहली की वनडे वापसी पर लगा ब्रेक, फैंस को करना होगा इंतजार

भारत-बांग्लादेश क्रिकेट सीरीज 2025 टली

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट टीम इस साल बांग्लादेश दौरे पर नहीं जाएगी। भारत और बांग्लादेश के बीच अगस्त 2025 में प्रस्तावित सीमित ओवरों की सीरीज अब फिलहाल स्थगित कर दी गई है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शनिवार को जानकारी दी कि दोनों देशों के क्रिकेट बोर्ड की आपसी सहमति से यह निर्णय लिया गया है। नई सीरीज अब सितंबर 2026 तक के लिए टाल दी गई है। इस दौरे में तीन वनडे और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले जाने थे। सीरीज टलने से भारतीय क्रिकेट प्रेमियों को उस वापसी का भी इंतजार करना पड़ेगा जिसका वे लंबे समय से बेसब्री से इंतजार कर रहे थे रोहित शर्मा और विराट कोहली की वनडे क्रिकेट में वापसी। दोनों दिग्गज खिलाड़ी पहले ही टेस्ट और टी20 फॉर्मेट से संन्यास ले चुके हैं और अब सिर्फ वनडे प्रारूप में ही खेलते हैं।

ऐसे में बांग्लादेश के खिलाफ यह सीरीज उनके लिए एक तरह से वनडे क्रिकेट में पुनः दस्तक देने का मंच मानी जा रही थी। बीसीसीआई ने अपने बयान में कहा कि यह निर्णय दोनों टीमों के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कार्यक्रम और मौजूदा शेड्यूल की व्यस्तता को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने भी पुष्टि की है कि वह सितंबर 2026 में भारत की मेजबानी को लेकर उत्साहित है।

इस सीरीज की नई तारीखों की घोषणा आने वाले महीनों में की जाएगी। गौरतलब है कि भारत और बांग्लादेश के बीच यह सीरीज 17 अगस्त 2025 से शुरू होनी थी। तय कार्यक्रम के अनुसार टीम इंडिया को इंग्लैंड दौरे के समापन के बाद सीधे बांग्लादेश रवाना होना था, लेकिन अब उस योजना पर विराम लग गया है।

फिलहाल भारतीय टीम इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेल रही है, जो 4 अगस्त को समाप्त होगी। सीरीज स्थगित होने से रोहित और विराट के प्रशंसकों को बड़ा झटका लगा है। विराट कोहली ने अपना आखिरी वनडे मार्च 2025 में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था और अब तक वे 302 वनडे मैचों में 14181 रन बना चुके हैं, जिसमें 51 शतक और 74 अर्धशतक शामिल हैं। वहीं रोहित शर्मा ने 273 वनडे मैचों में 11168 रन बनाए हैं और उन्होंने भी अपना अंतिम वनडे न्यूजीलैंड के खिलाफ ही मार्च 2025 में खेला था।

संक्षिप्त समाचार

जोकोविच विंबलडन में 100 मुकाबले जीतने वाले तीसरे खिलाड़ी बने

नवरातिलोवा और फेडरर के विशिष्ट क्लब का हिस्सा बने

लंदन।

सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में पहुंचने के साथ ही एक अहम उपलब्धि हासिल की है। जोकोविच विंबलडन इतिहास में 100 जीत हासिल करने वाले विश्व के तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने तीसरे दौर में अपने ही देश के मिओमिर केकमानोविच को 6-3, 6-0, 6-4 से हराकर इस विशिष्ट क्लब में प्रवेश किया है। इससे पहले केवल मार्टिना नवरातिलोवा और रोजर फेडरर ही विंबलडन में 100 मुकाबले जीत पाये हैं। जोकोविच ने अपने 24 ग्रैंड स्लैम खिताबों में से सात ऑल इंग्लैंड क्लब में जीते हैं। उन्होंने सेंटर कोर्ट पर पहले सेट में 3-3 के स्कोर से लगातार नौ गेम जीतकर आसानी से मुकाबला अपने नाम कर लिया। जोकोविच ने एक साक्षात्कार में कहा, ''मैं अपने पसंदीदा टूर्नामेंट में जो भी इतिहास बनाऊंगा, उसके लिए मैं आभारी हूं। अब जोकोविच का अगला मुकाबला 11 वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी एलेक्स डी मिनाउर से होगा। वहीं महिला वर्ग में नौ बार की विंबलडन विजेता रहीं नवरातिलोवा ने 120 एकल जबकि पुरुष वर्ग में आठ बार के चैंपियन फेडरर ने 105 एकल मैच जीते हैं।

गिल, जायसवाल और पंत पर होगा अब दारोमदार- माइकल वॉन

लंदन।

कोहली, रोहित के बाद भारतीय टेस्ट टीम को आगे ले जाने की जिम्मेदारी अब शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल और ऋषभ पंत को उठानी पड़ेगी। यह मानना है इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन का। विराट कोहली और रोहित शर्मा के संन्यास को लेकर वॉन ने कहा कि कोहली ने अपने समय में अकेले यह जिम्मेदारी बखूबी निभाई। अब यह युवा खिलाड़ियों के पास बड़ा मौका है कि वे उस विरासत को आगे बढ़ाएं। वॉन ने कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा टेस्ट सीरीज़ में देखा जाए तो कोहली और रोहित की गैरमौजूदगी के बावजूद भारतीय बल्लेबाजी क्रम अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। उनके मुताबिक गिल, जायसवाल और पंत ने मिलकर एक अच्छा समूह बनाया है जो जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार दिखता है। उन्होंने कहा कि इन खिलाड़ियों के पास भारतीय टेस्ट क्रिकेट को वही ऊर्जा और जुनून देने का मौका है जो कोहली ने दिया था। वॉन ने कहा कि कोहली ने टीम में न सिर्फ बल्लेबाजी बल्कि आक्रामक सोच और रणनीतिक समझ भी दी, जो भारतीय टीम को लंबे समय तक शीर्ष पर बनाए रखने में मददगार रही। उन्होंने कहा कि अगर गिल, जायसवाल और पंत इस मानक के करीब भी पहुंच सके तो यह भारतीय टीम के लिए बड़ी उपलब्धि होगी।

शुभमन ने बनाया रिकॉर्ड, कोहली ने स्टार लड़का करार दिया

एक ही मैच में सबसे अधिक रन बनाने वाले दूनिया के दूसरे खिलाड़ी बने

बर्मिंघम।

भारतीय टेस्ट क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ यहां दूसरे क्रिकेट टेस्ट की दूसरी पारी में भी शतक लगाकर एक नया रिकार्ड बनाया है। शुभमन ने पहली पारी में दोहरा शतक लगाया था जबकि दूसरे पारी में उन्होंने 161 रन बनाए।

ये साल 1990 में लॉर्ड्स में भारत के खिलाफ इंग्लैंड के ग्राहम गूच के 456 रनों के बाद एक मैच में किसी बल्लेबाज का बनाया सबसे अधिक स्कोर है। गूच ने तब पहली पारी में 333 जबकि दूसरी पारी में 123 रन बनाये थे।शुभमन ने दोनों पारियों में मिलाकर कुल 430 रन बनाए हैं।

वहीं पहले टेस्ट में भी शुभमन ने शतक लगाया था। इस प्रकार दो मैचों में ही शुभमन ने कुल मिलाकर 585 रन बनाये हैं। एजबेस्टन में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में शुभमन गिल ने पहली पारी में दोहरा शतक लगाया और फिर दूसरी पारी में 161 रन बनाए। शुभमन की इस प्रकार की बल्लेबाजी की पूर्व कप्तान विराट कोहली सहित कई दिग्गजों ने सराहना की है।कोहली ने शुभमन गिल को स्टार लड़का करार दिया। शुभमन के प्रदर्शन की टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव के अलावा पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह और अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने भी प्रशंसा की है।

विराट ने लिखा, बहुत बढ़िया खेले 'स्टार बॉय'। इतिहास में नाम लिखवाना शानदार है। यहां से आगे बढ़ते हुए आप यह सब पाने के अधिकारी हैं।

वहीं युवराज ने कहा, एक और पारी और फिर से शतक। बहुत बढ़िया कप्तान। वहीं सूर्यकुमार ने कहा, अरे भाई अभी कल या परसो ही तो स्टोरी डाली थी। शानदार। शमी ने

कहा, एक बार फिर से बधाई शुभमन। शुभमन ने पांच मैचों की सीरीज की चौथी पारी में कुल 500 से ज्यादा रन बनाते हुए इंग्लैंड दौरे का अपना लगातार दूसरा और तीसरा शतक लगाया है।

इस क्रिकेटर ने 162 गेंद में 13 चौकों और आठ छक्कों की मदद से 161 रन बनाए। उन्होंने मैच की पहली पारी में 269 रन बनाए थे जिससे वह महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर के बाद टेस्ट में दोहरा शतक बनाने वाले दूसरे भारतीय बन गए।

ऑस्ट्रेलिया में जब एक क्रिकेट मुकाबले में बने थे 286 रन

मुम्बई।

अगर आप से पूछा जाये कि एक गेंद पर अधिकतम कितने रन बन सकते हैं तो अधिकतर लोगों का जवाब होगा कि सात रन। वह भी तब जब कोई बल्लेबाज नो बाल पर छक्का लगा दे। वहीं अगर क्रिकेट इतिहास देखें तो पता चलता है कि एक गेंद पर 286 रन भी बने हैं। ये कारनामा एक बार ऑस्ट्रेलिया में हुआ था। ये साल 1894 का मैच था। तब केवल इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया ही टेस्ट मैच खेला करते थे। एक रिपोर्ट के अनुसार ये मैच ऑस्ट्रेलिया में विक्टोरिया और स्क्रैच एकादश के बीच खेला गया था और इस मैच में एक गेंद पर ही 286 रन बने थे। इस मैच के दौरान विक्टोरिया के बल्लेबाज ने एक जोरदार शॉट खेला और गेंद पेड़ पर जाकर अटक गई। यह पेड़ बाउंड्री लाइन के अंदर ही था। जब तक गेंद पेड़ पर टंगी रही, तब तक बल्लेबाज रन दौड़ते रहे। इस दौरान दूसरी टीम के खिलाड़ियों ने उन्हें रोकते के लिए पूरी ताकत लगा दी पर वे वे नहीं रुके। यहां तक कि कुछ खिलाड़ी अंपायर के पास पहुंचे और बल्लेबाजों को रन दौड़ने से रोकने की मांग की पर अंपायरों ने इंकार कर दिया। अंपायर्स ने कहा कि गेंद दिख रही है। इसलिए इसे गुम हुआ घोषित नहीं किया जा सकता है। तब अब मैदान पर एक ओर बल्लेबाज पिच पर रन बना रहे थे। वहीं दूसरी टीम के खिलाड़ी लकड़ी-डंडे से गेंद को पेड़ से गिराने के प्रयास कर रहे थे। यहां तक कि अंपायरों ने पेड़ काटने को कहा पर उसमें समय लग सकता था। ऐसे में बंदूक मंगाई गई पर जब तक गेंद निकली तब तक विक्टोरियाई बल्लेबाजों ने 286 रन दौड़ लिए थे। उसे दौरान रन दौड़ने की कोई सीमा तय नहीं थी जिससे बल्लेबाज लाभ में रहते थे।

इंडिया हाउस में भारतीय महिला टीम हुआ सम्मान

लंदन।

इंग्लैंड दौरे पर गई भारतीय महिला क्रिकेट टीम का यहां के इंडिया हाउस में एक भव्य समारोह में सम्मान किया गया। इस समारोह में कप्तान हरमनप्रीत कौर और टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार सहित सभी खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ के सदस्य शामिल हुए। इस दौरान भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोरईस्वामी ने टीम का स्वागत किया। इस अवसर पर दोरईस्वामी ने टीम की प्रशंसा करते हुए कहा, 'खिलाड़ियों ने जिस प्रकार से यहां जीत दर्ज की है। उससे देश में खेलों के क्षेत्र में एक बढ़ा बदलाव आयेगा और युवा प्रतिभाओं को प्रेरणा मिलेगी।' उन्होंने कहा, 'आज ऐसा कोई भी क्षेत्र नहीं है जिसके बारे में भारत की युवा महिलाएं सोचती हैं कि वे ऐसा नहीं कर सकती हैं, क्योंकि आप और क्रिकेट खिलाड़ियों की एक पुरानी पीढ़ी ने ऐसा किया है। आपके पास जादू है और आप मैदान पर जहां भी खेलती हैं, इसे हमारे साथ साझा करती हैं, जिसके लिए हम बहुत-बहुत आभारी हैं।' दोरईस्वामी ने कहा, 'जब आप हमारी क्रिकेट टीम, हमारी हॉकी टीम या हमारी किसी भी खेल की टीम को देखेंगे तो पाएंगे कि यह भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधित्व करती हैं।' उन्होंने कहा, 'ये केवल हमारी बेहतरीन खिलाड़ी ही नहीं हैं, बल्कि ये वो लड़कियां हैं जो हर शहर और हर प्रांत से निकल भारत का प्रतिनिधित्व करने पहुंची हैं।'

अंडर-19 क्रिकेट : इंग्लैंड दौरे में आयुष ने किया निराश, वैभव का धमाकेदार प्रदर्शन

लंदन।

भारतीय अंडर-19 टीम के कप्तान आयुष म्हात्रे अब तक इंग्लैंड दौरे पर रन बनाने में विफल रहे हैं।

आयुष को आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से बेहतर प्रदर्शन के कारण भारतीय अंडर-19 टीम का कप्तान बनाया गया था पर उन्होंने प्रशंसकों को निराश किया हैं। आयुष तीन पारियों में कुल मिलाकर केवल 26 रन बना पाए हैं। आयुष का लिस्ट ए क्रिकेट में औसत 65 से अधिक है। इस क्रिकेटर ने मुम्बई की ओर से फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में शतक भी लगाये हैं। पिछले सात के अंडर19 एशिया कप में आयुष ने जबरदस्त बल्लेबाजी करते हुए पांच पारियों में 44 की औसत और 135.38 की स्ट्राइक रेट से कुल 176 रन बनाए थे। दूसरी ओर 14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने काफी अच्छा प्रदर्शन करते हुए अब तक हर मैच में अपने को साबित किया है। वैभव ने इंग्लैंड अंडर-19 टीम के खिलाफ चौथे एकदिवसीय मैच में 183 के स्ट्राइक रेट से 78 गेंदों में ही 13 चौके और 10 छक्कों की सहायता से 143 रन बनाये। जिससे भारतीय टीम ने इस मैच में नौ विकेट पर 363 रन बनाकर 55 रनों से जीत हासिल की। वैभव ने इस मैच में सबसे तेज शतक लगाया। आयुष 14 गेंदों में 5 रन ही बना पाये। पहले मैच में वह 21 रन बनाने के बाद वह दूसरे मैच में पहली ही गेंद पर आउट हुए जबकि तीसरे मैच में फिट नहीं होने के कारण बाहर थे। चौथे मैच में वह पांच रन ही बना पाये।

भारतीय अंडर-19 टीम ने पांच मैच की इस सीरीज में 3-1 से बढ़त हासिल कर ली है। वैभव ने इस मैच में 52 गेंद में ही शतक लगा दिया। अब वह सबसे तेज एकदिवसीय शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं।

अब एकदिवसीय में दोहरा शतक लगाना चाहते हैं वैभव

शुभमन से हैं प्रेरित

लंदन। इंग्लैंड दौरे में शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-19 क्रिकेट के चौथे एकदिवसीय में शानदार शतक लगाने वाले वैभव सूर्यवंशी का कहना है कि अब उनका लक्ष्य दोहरा शतक लगाना है। इंग्लैंड के खिलाफ चौथे एकदिवसीय में वैभव ने 143 रन बनाये थे। वैभव ने कहा कि उसके पास और अधिक रन बनाने का अवसर था, पर एक खराब शॉट की वजह से ये अवसर उनके हाथ से निकल गया। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने वैभव सूर्यवंशी का एक वीडियो भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा किया है जिसमें वह अपने सबसे कम उम्र के शतक लगाने के रिकार्ड की बात कर रहे हैं। इस उभरते हुए बल्लेबाज ने कहा, 卐मुझे पता नहीं था कि मैंने रिकॉर्ड बनाया है, हमारे टीम मैनेजर ने मुझे ये बात बतायी।卐 वैभव ने कहा कि टेस्ट कप्तान शुभमन गिल से ही उन्हें बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा मिली है। शुभमन ने जब एजबेस्टन टेस्ट में दोहरा शतक लगाया था तो वैभव वहां स्टेडियम में थे। इसी को लेकर वैभव ने कहा, 卐 मैं उनसे प्रेरित हूं उन्होंने 100 और 200 बनाने के बाद भी रन बनाने का प्रयास जारी रखा और टीम को आगे बढ़ाया। शुभमन की पारी देखने के बाद वैभव ने कहा कि वह भी 143 रनों की पारी को आगे बढ़ा सकते थे। तब 20 ओवर बचे थे पर एक शॉट वह ठीक से नहीं खेल पाये जिसका उन्हें नुकसान हुआ है। साथ ही कहा, अगले मैच में मेरा प्रयास 200 रन बनाने के साथ ही पूरे 50 ओवर खेलना रहेगा जिससे टीम को लाभ मिले। अपनी 143 रनों की पारी के साथ ही वैभव यूवा क्रिकेट में शतकीय पारी खेलने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय खिलाड़ी बने हैं। इस दौरान उन्होंने सरफराज खान का 12 साल पुराना रिकार्ड तोड़ दिया। सरफराज ने 2013 में दक्षिण अफ्रीका अंडर-19 के खिलाफ 15 साल और 338 दिन की उम्र में शतक लगाया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एलाइड इंजीनियरिंग ने आईपीओ के लिए दाखिल किए दस्तावेज

नए शेयरों की बिक्री से 400 करोड़ रु. जुटाने का इरादा

नई दिल्ली।

स्मार्ट बिजली उपकरण विनिर्माता एलाइड इंजीनियरिंग वर्क्स ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी करीब 400 करोड़ रुपए के नए शेयर जारी कर बाजार से पूंजी जुटाना चाहती है। इसके साथ ही एक प्रवर्तक की ओर से 75 लाख शेयरों की बिक्री पेशकश भी की जाएगी। जुटाई गई राशि का उपयोग कुंडली और राय स्थित विनिर्माण इकाइयों में स्मार्ट गैस, वॉटर और बिजली मीटर के उत्पादन पर किया जाएगा, जिसमें क्रमशः 116.75 करोड़ और 99.71 करोड़ खर्च होंगे। इसके अलावा कंपनी 120 करोड़ अपनी कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं पर खर्च करेगी। एलाइड इंजीनियरिंग वर्क्स आईपीओ से पहले के दौर में 80 करोड़ तक जुटाने पर भी विचार कर रही है, जिससे नए निर्गम का आकार कम हो सकता है।

गुजरात में पीवीसी संयंत्र लगाएगा अदाणी समूह

पेट्रोरसायन क्षेत्र में रिलायंस के साथ प्रतिस्पर्धा की तैयारी

नई दिल्ली।

अदाणी समूह गुजरात के मुंद्रा में 10 लाख टन वार्षिक क्षमता वाला पीवीसी (पॉलीविनाइल क्लोराइड) संयंत्र लगाने जा रहा है। इस परियोजना के साथ अदाणी समूह पेट्रोरसायन क्षेत्र में कदम रखेगा, जहां फिलहाल रिलायंस इंडस्ट्रीज का दबदबा है। अनुमान है कि यह संयंत्र वित्त वर्ष 2027-28 तक चालू हो जाएगा। पीवीसी एक बहुउपयोगी प्लास्टिक पॉलिमर है, जिसका इस्तेमाल पाइप, खिड़की-फ्रेम, केबल इंसुलेशन, फ्लोरिंग और खिलौनों जैसे कई उत्पादों में होता है। भारत में पीवीसी की सालाना मांग लगभग 40 लाख टन है, जबकि घरेलू उत्पादन सिर्फ 15.9 लाख टन है। इसमें से लगभग आधी क्षमता रिलायंस इंडस्ट्रीज के पास है। सूत्रों के मुताबिक अदाणी की यह परियोजना एसिटिलीन और कैल्शियम कार्बाइड आधारित उत्पादन प्रक्रिया पर आधारित होगी। इसे पर्यावरणीय मंजूरी और सरकार की सहमति पहले ही मिल चुकी है। समूह भविष्य में इस संयंत्र की क्षमता को बढ़ाकर 20 लाख टन तक ले जाने की योजना बना रहा है। हिंडनबर्ग रिपोर्ट के चलते मार्च 2023 में रुकी यह परियोजना अब दोबारा शुरू हो चुकी है। अदाणी समूह ने 5 अरब डालर से अधिक की पूंजी जुटाई है और इस परियोजना को एसबीआई के नेतृत्व वाले बैंकिंग गठजोड़ से वित्तपोषित किया जा रहा है।

डीप टेक स्टार्टअप्स को मिलेगा नया बूस्ट -गोयल

सरकार ने फंड ऑफ फंड्स में जोड़े 10 हजार करोड़

नई दिल्ली।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बेंगलुरु में घोषणा की कि सरकार ने डीप टेक रिसर्च और स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करने के लिए 'फंड ऑफ फंड्स' स्कीम के तहत 10,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि मंजूर की है। उन्होंने बताया कि पिछली बार बजट में दी गई इतनी ही राशि पहले ही उपयोग की जा चुकी है। नई फंडिंग का बड़ा हिस्सा डीप टेक क्षेत्र को समर्पित किया जाएगा, जिससे देश में नई तकनीकों के विकास और नवाचार को बल मिलेगा। गोयल ने बताया कि इस फंड के लिए दिशानिर्देश तैयार किए जा रहे हैं, जिससे स्टार्टअप्स को रिसर्च और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में स्पष्ट मार्गदर्शन मिलेगा। इसी के साथ, भारत के स्टार्टअप पॉलिसी फोरम ने एक नई पहल की शुरुआत की है।

सुजलॉन एनर्जी को पुनर्गठन योजना पर राहत, मिली मंजूरी

सोमवार को स्टॉक में दिख सकता है एक्शन

नई दिल्ली।

सुजलॉन एनर्जी लिमिटेड को अपनी पुनर्गठन योजना के तहत एक बड़ी राहत मिली है। कंपनी ने हाल ही में शेयर बाजारों को सूचित किया कि उसे नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) से कोई आपत्ति न होने का पत्र प्राप्त हुआ है। यह स्वीकृति कंपनी द्वारा मई 2023 में प्रस्तावित और अगस्त 2024 में शेयरधारकों तथा कर्जदाताओं से अनुमोदित पुनर्गठन योजना से जुड़ी है। इस योजना के तहत सुझलॉन एनर्जी अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी सुझलॉन ग्लोबल सर्विसेज लिमिटेड का विलय अपने आप में करने जा रही है। इस विलय का उद्देश्य कंपनी के कॉर्पोरेट ढांचे को सरल और अधिक प्रभावी बनाना है। कंपनी का कहना है कि इससे संचालन अधिक दक्ष और लागत प्रभावी होगा। स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा जारी ऑब्जर्वेशन लेटर में कंपनी को निर्देश दिए गए हैं कि वह स्कीम ऑफ अरेंजमेंट को सेबी के सभी नियमों के अनुरूप सुनिश्चित करे। साथ ही कंपनी को किसी भी लंबित अदालती, वसूली या अभियोजन मामलों की पूरी

जानकारी का खुलासा करना होगा। लेटर में यह भी कहा गया है कि ड्राफ्ट स्कीम में कोई बदलाव नियामकीय मंजूरी के बिना नहीं किया जा सकता। अब यह योजना राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण की अंतिम मंजूरी के लिए प्रस्तुत की जाएगी। इस खबर के बाद शुक्रवार को कंपनी के शेयर 0.6 फीसदी बढ़कर 65.65 पर बंद हुए। निवेशकों को उम्मीद है कि यह पुनर्गठन कंपनी की दीर्घकालिक विकास रणनीति को मजबूती देगा।

हिंदुस्तान कॉपर मध्यप्रदेश में 400 करोड़ के निवेश से कन्सन्ट्रेटर संयंत्र लगाएगी

मलांजखंड।

हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड (एचसीएल) अगले दो-तीन वर्षों में मध्य प्रदेश के मलांजखंड में 30 लाख टन वार्षिक क्षमता वाला नया कन्सन्ट्रेटर संयंत्र स्थापित करने की योजना बना रही है। इस परियोजना पर कंपनी लगभग 400 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। यह कदम कंपनी की अयस्क उत्पादन क्षमता को तिगुना करने की दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है। कंपनी के चेयरमैनने बताया कि सरकारी परामर्श कंपनी मेकॉन इस संयंत्र के लिए तकनीकी डिजाइन और निविदा दस्तावेज तैयार कर रही है। निर्माण कार्य की शुरुआत 2026 में होने की संभावना है, जिसे कंपनी अपने आंतरिक संसाधनों से वित्तपोषित करेगी। फिलहाल मलांजखंड में एचसीएल का 25 लाख टन सालाना क्षमता वाला कन्सन्ट्रेटर संयंत्र संचालित है। कन्सन्ट्रेटर संयंत्र खनिज अयस्क से अपशिष्ट को अलग कर मूल्यवान खनिजों का संकेंद्रित रूप तैयार करता है, जिसे आगे गलन या शोधन के लिए भेजा जाता है।

भारत सरकार के अनुरोध पर की गई नीरव मोदी के भाई की गिरफ्तारी

करोड़ों की बैंक धोखाधड़ी का आरोप

वाशिंगटन।

अमेरिका में भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी के भाई नेहल मोदी को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह गिरफ्तारी 4 जुलाई को भारत सरकार के प्रत्यर्पण अनुरोध के आधार पर की गई। नेहल मोदी पर आरोप है कि उसने नीरव मोदी की पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) घोटाले में मदद की थी। यह घोटाला भारत के सबसे बड़े बैंकिंग घोटालों में से एक है, जिसमें करीब 13,000 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की गई थी। नेहल मोदी बेल्जियम का नागरिक है और अमेरिका में रह रहा था। भारत की जांच एजेंसियों प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने उसके खिलाफ सबूत जुटाए थे और उसे भारत लाने के लिए अमेरिका से औपचारिक रूप से प्रत्यर्पण की मांग की थी। अमेरिकी न्याय विभाग ने पुष्टि की है कि गिरफ्तारी भारत के अनुरोध के बाद की गई है। अब अमेरिका की अदालत में नेहल मोदी के प्रत्यर्पण को लेकर कानूनी प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। यदि अदालत भारत के पक्ष में फैसला देती है, तो नेहल को भारत लाया जाएगा, जहां उसे पूछताछ और मुकदमे का सामना करना पड़ेगा। उल्लेखनीय है कि नीरव मोदी पहले से ही ब्रिटेन की जेल में बंद है और उसके प्रत्यर्पण की प्रक्रिया भी अंतिम चरण में है। नेहल की गिरफ्तारी भारत की उन अंतरराष्ट्रीय कोशिशों का हिस्सा है, जिसके तहत भगोड़े आर्थिक अपराधियों को कानून के कटघरे में लाया जा रहा है। इस कदम को भारत की एक बड़ी सफलता माना जा रहा है।

सेंसेक्स की छह कंप नियों के मार्केट कैप में 70,325 करोड़ की गिरावट

एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक को सबसे अधिक नुकसान हुआ

मुंबई।

पिछले सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में कुल 70,325.5 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई। शेयर बाजार में कमजोरी के कारण एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक को सबसे अधिक नुकसान उठाना पड़ा।

टॉप 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), इन्फोसिस और हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड के बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई। वहीं एचडीएफसी बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और बजाज फाइनेंस के बाजार मूल्य में गिरावट आई। एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्य 19,284.8 करोड़ रुपये घटकर 15,25,339.72 करोड़ रुपये रह गया। आईसीआईसीआई बैंक के बाजार मूल्य में 13,566.92 करोड़ रुपये की कमी आई, जो अब 10,29,470.57 करोड़ रुपये पर है। बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 13,236.44 करोड़ रुपये घटकर 5,74,977.11 करोड़ रुपये और एलआईसी का 10,246.49 करोड़ रुपये घटकर 5,95,277.16 करोड़ रुपये हो गया। टीसीएस का बाजार मूल्य 8,032.15 करोड़ रुपये घटकर 12,37,729.65 करोड़ रुपये पर पहुंचा।

भारती एयरटेल का मूल्यांकन भी 5,958.7 करोड़ रुपये घटकर 11,50,371.24 करोड़ रुपये रह

गया। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्य 15,359.36 करोड़ रुपये बढ़कर 20,66,949.87 करोड़ रुपये हो गया।

इन्फोसिस का मूल्यांकन 13,127.51 करोड़ रुपये बढ़कर 6,81,383.80 करोड़ रुपये पहुंचा। हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 7,906.37 करोड़ रुपये बढ़कर 5,49,757.36 करोड़ रुपये रहा। भारतीय स्टेट बैंक का मूल्यांकन 5,756.38 करोड़ रुपये बढ़कर 7,24,545.28 करोड़ रुपये हो गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज शीर्ष स्थान पर बरकरार रही, उसके बाद एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, एलआईसी, बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर की स्थिति बनी रही।

इलेक्ट्रिक एसयूवी हैरियर ईवी की बुकिंग प्रारंभ

नई दिल्ली।

स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स ने अपनी नई फ्लैगशिप इलेक्ट्रिक एसयूवी हैरियर ईवी की बुकिंग शुरू कर दी है। टाटा ने इसे ऑल व्हील ड्राइव और स्टील्थ एडिशन जैसे वेरिएंट में लॉन्च किया है। ग्राहक इसे 21,000 रुपये के टोकन अमाउंट पर बुक कर सकते हैं। इसकी शुरुआती कीमत 21.49 लाख रुपये रखी गई है। यह भारतीय बाजार में कंपनी की सबसे एडवांस और दमदार इलेक्ट्रिक एसयूवी मानी जा रही है। इसकी सबसे बड़ी खासियत इसकी 622 किमी की क्लेम्ड रेंज है। इसके अलावा इसमें डुअल मोटर ऑल-व्हील-ड्राइव सेटअप दिया गया है, जिसमें हर एक्सल पर एक इलेक्ट्रिक मोटर लगी है।

बूस्ट मोड में यह कार 0 से 100 किमी प्रति घंटा की रफ्तार सिर्फ 6.3 सेकंड में पकड़ सकती है। ऑफरोडिंग को ध्यान में रखते हुए इसमें 6 मल्टी-टेरेन मोड दिए गए हैं - नॉर्मल, मड रट्स, रॉक क्रॉल, सैंड, स्नो/ग्रास और कस्टम।

हैरियर ईवी में 540-डिग्री कैमरा फंक्शन दिया गया है जो 360-डिग्री व्यू के साथ-साथ गाड़ी के नीचे का हिस्सा भी दिखाता है।इसमें शार्क फिन एंटीना में कैमरा लगाया गया है जो डिजिटल आईआरवीएम पर रियर व्यू दिखाता है और डैशकैम की तरह रिकॉर्डिंग भी करता है।

इवेंट में हैरियर ईवी को पहाड़ी चढ़ाई, कीचड़ और पानी से भरे रास्तों से निकाला गया। इसे 1.5 टन के कंटेनर का भार भी सहन करते दिखाया गया। भारत एनकैप क्रैश टेस्ट में इसे 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग भी मिली है।

इस तरह टाटा हैरियर ईवी ने भारतीय बाजार में इलेक्ट्रिक एसयूवी सेगमेंट में नई स्टैंडर्ड सेट कर दी है। यह ट्रांसपेरेंट मोड में खासतौर पर ऑफरोडिंग और बड़े गड्ढों में बेहद काम आता है। टाटा ने इसमें 14.5 इंच का नया नियो क्यूलेड डिस्प्ले दिया है, जो अब तक की सबसे बड़ी स्क्रीन है।

ट्रांसरेल लाइटिंग को पावर ग्रिड के ठेकों में 10 फीसदी हिस्सेदारी की उम्मीद

नई दिल्ली।

ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन) क्षेत्र की प्रमुख कंपनी ट्रांसरेल लाइटिंग को चालू वित्त वर्ष 2025-26 में सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली पारेषण कंपनी पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पीजीसीआईएल) के ठेकों में 8 से 10 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी हासिल होने की उम्मीद है। यह जानकारी कंपनी के एक अ धिकारी ने दी। नारंग ने बताया कि वर्तमान में ट्रांसरेल की बाजार हिस्सेदारी लगभग 8-10 फीसदी है और कंपनी इस स्तर को बनाए रखते हुए पावर ग्रिड के बड़े निवेश योजनाओं का लाभ उठाना चाहती है। पावर ग्रिड ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 28,000 करोड़, 2026-27 के लिए 35,000 करोड़ और 2027-28 के लिए 45,000 करोड़ के पूंजीगत व्यय की घोषणा की है। 2024-25 में ट्रांसरेल ने 9,680 करोड़ के ऑर्डर हासिल किए, जो कि पिछले वर्ष की तुलना में 120 फीसदी की वार्षिक वृद्धि को दर्शाते हैं। अ धिकारी के अनुसार कंपनी के पास वर्ष की शुरुआत से ही मजबूत ऑर्डर बुक है और उसे अगले 24-30 महीनों के लिए राजस्व की स्पष्ट दृश्यता प्राप्त है।

आकाश एजुकेशनल सर्विसेज ने ईवाय को भेजा दूसरा कानूनी नोटिस

कॉर्पोरेट विवाद का मामला

नई दिल्ली।

आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) और वैश्विक कंसल्टिंग फर्म अर्न्स्ट एंड यंग (ईवाय) के बीच एक बड़ा कॉर्पोरेट विवाद खड़ा हो गया है। आकाश ने ईवाय पर पेशेवर आचार संहिता के उल्लंघन और हितों के टकराव का गंभीर आरोप लगाते हुए दूसरा कानूनी नोटिस भेजा है। आकाश का कहना है कि ईवाय एक ओर उनकी वित्तीय सलाहकार थी और दूसरी ओर उनके प्रतिद्वंदी एलेन के रियर इंस्टीटयूट के लिए भी एक्सक्लूसिव फाइनेंशियल एडवाइजर और ऑफिशियल रिजल्ट वैलिडेटर के तौर पर कार्य कर रही थी। आकाश के अनुसार यह प्रोफेशनल एथिक्स का सीधा उल्लंघन है, क्योंकि ईवाय 2021 से उनके और बायजूस की पेरेंट कंपनी थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड के विलय सहित कई वित्तीय मामलों में गहराई से जुड़ी हुई थी। कंपनी ने ईवाय पर टीएलपीएल की इनसॉल्वेंसी प्रक्रिया में रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल के रूप में पक्षपातपूर्ण भूमिका निभाने और बेंगलुरु एनसीएलटी में जानबूझकर आकाश के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का भी आरोप लगाया है। आकाश के एक अे धिकारी ने बताया कि

उन्होंने पहले ईवाय के अजय शाह को नोटिस भेजा था, और अब अन्य सीनियर पार्टनर्स को भी इसमें शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि कंपनी सिविल और आपराधिक कार्रवाई पर विचार कर रही है।

जून 2025 में हयूदै क्रेटा ने बेचीं 15,786 यूनिट्स

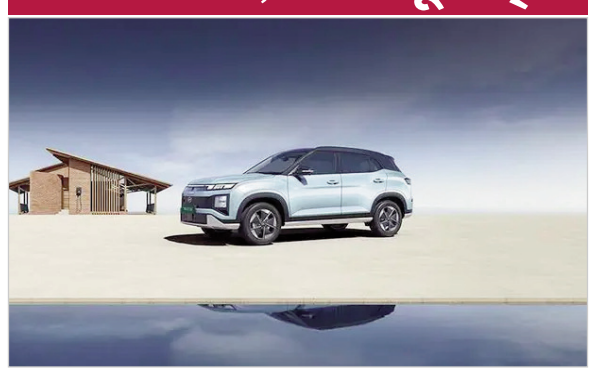

नई दिल्ली।

जून 2025 में हयूदै क्रेटा ने 15,786 यूनिट्स की बिक्री के साथ भारतीय बाजार में अपनी मजबूत पकड़ फिर साबित की है। 2015 में लॉन्च हुई क्रेटा ने अपने 10 साल पूरे करते हुए मिड-साइज एसयूवी सेगमेंट की पहचान ही बदल दी है। बाजार में इसकी लोकप्रियता इतनी गहरी है कि इस श्रेणी को लोग अब क्रेटा सेगमेंट कहने लगे हैं। हयूदै के मुताबिक, अब तक 12 लाख से ज्यादा भारतीय परिवार इसे अपना चुके हैं और जून 2025 के आंकड़े दिखाते हैं कि ग्राहक आज भी इसे उतना ही पसंद करते हैं। कंपनी ने इस उपलब्धि पर कहा कि क्रेटा सिर्फ एक कार नहीं बल्कि एक भावना है, जिसने हयूदै की भारत में सफलता की नींव रखी। क्रेटा को हयूदै ने हर वर्ग के ग्राहकों के लिए तैयार किया है। इसका 1.5-लीटर पेट्रोल इंजन 115 बीएचपी और 144 एनएम का टॉर्क देता है, वहीं 1.5-लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन 160 बीएचपी और 253 एनएम की ताकत के साथ आता है। डीजल विकल्प में 1.5-लीटर इंजन 116 बीएचपी और 250 एनएम का टॉर्क देता है। स्पोर्टी ड्राइव चाहने वालों के लिए क्रेटा एन लाइन भी पेश की गई है। हयूदै ने इसके इलेक्ट्रिक अवतार की भी शुरुआत कर दी है, जिसमें 42 केडब्ल्यूएच और 51.4 केडब्ल्यूएच के दो बैटरी पैक हैं जो क्रमशः 390 किमी और 473 किमी की अनुमानित रेंज देते हैं।

खाद्य तेल बाजार में हलचलः सरसों-सोया-मूंगफली के दाम बढ़े, पाम तेल स्थिर

बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 100 रुपए बढ़कर 6,925-6,975 प्रति क्विंटल पर बंद

नई दिल्ली।

बीते सप्ताह घरेलू तेल-तिलहन बाजार में सरसों, सोयाबीन, मूंगफली और बिनौला तेल के भाव में तेजी देखी गई, जबकि कच्चे पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन तेल के दाम पूर्ववत बने रहे। वै श्विक बाजार में खाने के तेलों की कीमतों में तेजी का असर भारत में सीमित रहा। बाजार सूत्रों के अनुसार सरसों की आवक कमजोर बनी हुई है, जबकि कच्ची घानी तेल मिलों की मांग तेज होती जा रही है। आगामी सरसों फसल आने में अभी समय है और मौजूदा स्टॉक सरकार व किसानों के पास है। सरकार द्वारा पूर्व में खरीदी गई फसल की बिक्री के लिए निविदा मंगाने से बाजार पर हल्का दबाव जरूर आया, फिर भी सरसों के दाम न्यूनतम समर्थन मूल्य से 6-7 फीसदी ऊपर बने हुए हैं। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 100 बढ़कर 6,925-6,975 प्रति क्विंटल पर बंद हुआ, जबकि दादरी सरसों तेल 175 की तेजी के साथ 14,875 रुपए प्रति क्विंटल पहुंचा। विदेशी बाजार में सोयाबीन की कीमत 1,130-1,135 डॉलर प्रति टन से बढ़कर 1,155-1,160 डॉलर हो गई, जिससे घरेलू बाजार में भी थोड़ी तेजी आई। हालांकि, सोयाबीन का हाजिर भाव न्यूनतम समर्थन मूल्य से करीब 15 फीसदी नीचे है, जिससे मंडियों में आवक कम हो रही है। आयातकों को भी लागत से नीचे भाव पर सोया डीगम तेल बेचना पड़ रहा है। सोयाबीन दाना 25 रुपए बढ़कर 4,375-4,425 और डीगम तेल 100 रुपए बढ़कर 9,700 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। मूंगफली का हाल भी कुछ ऐसा ही रहा। कमजोर थोक दाम और न्यूनतम समर्थन मूल्य से नीचे चलने के कारण किसान बिक्री से कतरा रहे हैं। हालांकि मांग में हल्की तेजी से मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में भी सुधार हुआ। मूंगफली तेल गुजरात 150 रुपए बढ़कर 13,700 और मूंगफली रिफाइंड 35 रुपए बढ़कर 2,230-2,530 रुपए प्रति टिन पर बंद हुआ। पाम और पामोलीन तेल की कीमतें समीक्षाधीन सप्ताह में स्थिर रहीं। पामतेल की मांग इसलिए प्रभावित रही क्योंकि इसकी कीमत सोयाबीन जैसे नरम तेलों के बराबर है। सीपीओ 10,650, पामोलीन दिल्ली 12,400 और एक्स कांडला 11,350 रुपए प्रति क्विंटल पर टिका रहा। बिनौला तेल की उपलब्धता कम रहने से इसके भाव में 150 की तेजी दर्ज की गई और यह 12,500 रुपए प्रति क्विंटल पर पहुंचा।

सेबी की बड़ी कार्रवाईः जेन स्ट्रीट के 4,844 करोड़ रुपए जब्त

भारतीय बाजार में ट्रेडिंग से प्रतिबंधित भी किया

नई दिल्ली।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अमेरिकी हाई-फ्रिक्वेंसी ट्रेडिंग फर्म जेन स्ट्रीट और उसकी सहयोगी कंपनियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए उन्हें भारतीय बाजार में ट्रेडिंग से प्रतिबंधित कर दिया है। सेबी के अनुसार इस फर्म ने बैंक निफ्टी इंडेक्स में हेराफेरी कर करीब 4,844 करोड़ रुपए का अनुचित लाभ कमाया। हाल ही में जारी 105 पन्नों के अंतरिम आदेश में इस राशि की जब्ती का निर्देश दिया गया है, जो सेबी के इतिहास की अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। सेबी चेयरमैन ने कहा कि शेयर बाजार में किसी भी तरह की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और निगरानी व्यवस्था को पहले से ज्यादा मजबूत किया गया है। एक्सचेंज और सेबी दोनों स्तरों पर निगरानी टीमों की संख्या बढ़ाई गई है ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। सेबी की जांच में खुलासा हुआ है कि जेन स्ट्रीट ने भारत में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक नियमों से बचने के लिए कई संस्थाएं बनाई थीं। वर्तमान आदेश केवल 18 दिनों की बैंक निफ्टी ट्रेडिंग और तीन एक्सपायरी दिनों की गतिविधियों पर आधारित है। अब सेबी अन्य एक्सपायरी दिनों और इंडेक्स जैसे निफ्टी

50 व बीएसई सेंसेक्स में भी संभावित गड़बड़ी की जांच कर रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

घर का वास्तु दोष दूर करने के लिए मंगलवार और शनिवार को बनाएं स्वास्तिक, घर आएगी शुभता

मंगलवार और शनिवार के दिन घर के मुख्य द्वार पर स्वास्तिक बनती है, तो इससे भविष्य में शुभता मिलने के योग बढ़ते हैं। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि स्वास्तिक चिह्न कहां और किस दिन बनाना चाहिए, जिससे कि वास्तु दोषों से मुक्ति मिल सके।

भारतीय संस्कृति और धर्म में स्वास्तिक को बेहद शुभ और पवित्र चिन्ह माना जाता है। स्वास्तिक न सिर्फ धार्मिक अनुष्ठानों में प्रयुक्त होता है, बल्कि वास्तु और ज्योतिष शास्त्र में भी इसका विशेष महत्व होता है। स्वास्तिक घर में पॉजिटिव एनर्जी को आकर्षित करता है और निगेटिव एनर्जी दूर करने में सहायक होता है। माना जाता है कि यदि किसी के घर में वास्तु दोष होता है, तो उनको दूर करने के लिए घर पर स्वास्तिक चिह्न जरूर बनाना चाहिए। मंगलवार और शनिवार के दिन घर के मुख्य द्वार पर स्वास्तिक बनती है, तो इससे भविष्य में शुभता मिलने के योग बढ़ते हैं।

घर में बनाया गया स्वास्तिक चिह्न घर की आर्थिक स्थिति को सुधारने के साथ घर के सदस्यों को मानसिक शांति और सफलता प्रदान करता है। घर में बड़े से बड़ा वास्तु दोष क्यों न हो, आप स्वास्तिक उपाय से इसको दूर कर सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि स्वास्तिक चिह्न कहां और किस दिन बनाना चाहिए, जिससे कि वास्तु दोषों से मुक्ति मिल सके।

इन दो दिन बनाएं स्वास्तिक चिन्ह

घर के किसी भी स्थान के वास्तु दोष को दूर करने के लिए आप सप्ताह के दो दिनों में स्वास्तिक जरूर बनाना चाहिए। मंगलवार और शनिवार को स्वास्तिक बनाने का विशेष महत्व माना जाता है। इन दोनों दिन स्वास्तिक बनाने का विशेष कारण यह होता है कि इन दोनों दिनों का संबंध मंगल और शनि ग्रह से होता है। मंगल ग्रह ऊर्जा, साहस और शक्ति का प्रतीक होता है, तो वहीं शनि ग्रह कर्म और न्याय का प्रतीक होता है। अगर किसी व्यक्ति के जीवन में वास्तु दोष के कारण परेशानियां आती हैं, तो यह उपाय काफी प्रभावी साबित हो सकता है।

ऐसे बनाएं स्वास्तिक

स्वास्तिक बनाने से पहले घर के मुख्य द्वार को अच्छे से साफ कर लें। फिर मुख्य द्वार पर हल्दी, कुमकुम, रोली या चंदन का स्वास्तिक बनाएं। इससे घर की पवित्रता और सकारात्मकता बढ़ती है। इस चिन्ह को बनाते समय ऊँ नमः शिवाय और ऊँ श्री गणेशाय नमः मंत्र का जाप करें। इससे शुभता और आध्यात्मिकता बढ़ती है।

स्वास्तिक के चारों ओर शुभ-लाभ लिखना काफी शुभ माना जाता है। यह सुख-समृद्धि को आकर्षित करता है। वहीं इसके चारों कोनों पर चावल और फूल अर्पित करने से वातावरण में पॉजिटिविटी बनी रहती है। हर मंगलवार और शनिवार को नियमित रूप से स्वास्तिक बनाना शुभ माना जाता है। इससे घर में सुख-शांति और समृद्धि का वास होता है।

स्वास्तिक बनाने से मिलने वाले लाभ

अगर घर में किसी तरह की निगेटिव एनर्जी प्रभावी होती हैं, तो स्वास्तिक उसकी एनर्जी को खत्म कर देता है और पॉजिटिव एनर्जी का संचार करता है।

घर में स्वास्तिक का चिन्ह बनाने से धन का प्रवाह अच्छा बना रहता है और जातक अपने व्यापार और नौकरी में भी उन्नति करता है। यह उपाय धन हानि को रोकने में भी सहायक है।

इस उपाय को करने से मानसिक तनाव दूर होता है और घर के सदस्यों में प्रेम और सौहार्द बना रहता है। घर के मुख्य द्वार पर स्वास्तिक बनाने से घर में पॉजिटिव एनर्जी बढ़ती है।

अगर किसी जातक की कुंडली में मंगल या शनि दोष होता है, तो यह उपाय इसको शांत करने में सहायता करता है।

बता दें कि स्वास्तिक सिर्फ एक धार्मिक चिन्ह नहीं बल्कि शक्तिशाली ऊर्जा का भी स्त्रोत होता है। जोकि घर में पॉजिटिविटी बनाए रखने में मदद करता है और घर के वास्तु दोषों को भी दूर करता है।

ऑफिस डेस्क पर फूल रखते समय भूलकर भी न करें ये गलतियां, वरना नौकरी में आ सकती हैं बाधाएं

बहुत सारे लोग होते हैं, जो ऑफिस डेस्क पर फूल रखना पसंद करते हैं। ऑफिस डेस्क पर फूल रखना अच्छा माना जाता है। फूलों की सुगंध और सुंदरता के प्रभाव से आसपास का वातावरण अच्छा बना रहता है, तो वहीं दूसरी ओर फूलों से जुड़े वास्तु आपकी तरक्की के मार्ग भी खोलते हैं।

वास्तु शास्त्र में ऑफिस डेस्क को काफी महत्वपूर्ण माना गया है। आपकी नौकरी एवं उससे जुड़ी सफलता पर भी ऑफिस डेस्क का प्रभाव पड़ता है। इसलिए ऑफिस डेस्क से संबंधित नियमों का पालन जरूर करना चाहिए। ऐसे में बहुत सारे लोग होते हैं, जो ऑफिस डेस्क पर फूल रखना पसंद करते हैं। ऑफिस डेस्क पर फूल रखना अच्छा माना जाता है। फूलों की सुगंध और सुंदरता के प्रभाव से आसपास का वातावरण अच्छा बना रहता है, तो वहीं दूसरी ओर फूलों से जुड़े वास्तु आपकी तरक्की के मार्ग भी खोलते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि ऑफिस डेस्क पर फूलों को रखने के समय किन गलतियों को करने से बचना चाहिए।

ऑफिस डेस्क पर ऐसे न रखें फूल

ऑफिस डेस्क पर फूल रखने के दौरान इस बात का ध्यान रखें कि फूलों का मुख हमेशा आपकी तरफ हो। यानी की फूल आपकी ओर झुके हों, न कि किसी अन्य दिशा की तरफ। अगर फूल किसी और दिशा की ओर झुके होंगे, तो सकारात्मकता दूसरी ओर चली जाएगी और निगेटिव एनर्जी का संचार आपकी ओर बढ़ेगा।

ऑफिस डेस्क पर फूल रखते समय ध्यान रखें कि यह मुरझाए हुए न हों। अगर आप ऑफिस डेस्क पर फूल रखते हैं, तो इनको मुरझाने से पहले बदल दें। वरना इससे नकारात्मकता बढ़ती है। वहीं वास्तु शास्त्र के मुताबिक सफलता पाने में भी दिक्कतें आनी शुरू हो जाती हैं।

ऑफिस डेस्क पर फूल रखने के दौरान ध्यान रखें कि यह कांटेदार न हों। क्योंकि कांटेदार फूल का डेस्क पर होना नौकरी के मामलों में बार-बार संकट आने को दर्शाता है। अगर आप गुलाब के फूल डेस्क पर रखते हैं, तो इसके कांटे हटाकर रखें।

ऑफिस डेस्क पर प्लास्टिक के फूल नहीं रखने चाहिए। क्योंकि वास्तु शास्त्र में प्लास्टिक के फूलों को अशुद्ध बताया गया है। इसलिए प्लास्टिक के फूलों को ऑफिस डेस्क पर रखने से राहु का दुष्प्रभाव पड़ता है और नौकरी में बार-बार बाधाएं आती हैं।

पूजा के दौरान दीपक जलाते समय भूलकर न करें ये गलतियां, वरना नहीं मिलेगा पूर्ण फल

अगर आप कुछ नियमों का ध्यान रखते हुए रोजाना घर में भगवान की पूजा के दौरान दीपक जलाते हैं, तो इससे सुख-समृद्धि और सौभाग्य का आगमन होता है। ऐसे में आज हम आपको पूजा के समय दीपक जलाने के कुछ जरूरी नियमों के बारे में बताने जा रहे हैं।

हिंदू धर्म में सुबह और शाम के समय पूजा के दौरान दीपक जलाने का खास महत्व होता है। ऐसा करने से नकारात्मकता दूर होती है और पॉजिटिव एनर्जी का संचार होता है। हालांकि ज्योतिष शास्त्र में पूजा घर में दीपक जलाने के कुछ खास नियमों के बारे में बताया गया है। जिनका हर किसी को ध्यान रखना चाहिए। क्योंकि सही तरीके से दीपक न जलाने से पूजा का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है और घर में समस्याओं का सामना भी करना पड़ सकता है। ऐसे में अगर आप इन नियमों का ध्यान रखते हुए रोजाना घर में भगवान की पूजा के दौरान दीपक जलाते हैं, तो इससे सुख-समृद्धि और सौभाग्य का आगमन होता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको पूजा के समय दीपक जलाने के कुछ जरूरी नियमों के बारे में बताने जा रहे हैं।

दीपक जलाने के दौरान न करें ये काम

घर या मंदिर में भगवान की पूजा के दौरान दीया जलाने के लिए भूलकर भी दूसरे दीपक का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। कई बार हम तुलसी के पास दीपक जलाने के लिए मंदिर वाले दीपक से दीया जला लेते हैं। लेकिन ऐसा करना अच्छा नहीं माना जाता है। अगर आप भी यह गलती करते हैं, तो इससे पूजा का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है।

दीपक जलाने के बाद नहीं करनी चाहिए ये गलती

पूजा के समय दीपक जलाने के बाद अगर आप धूपबत्ती या अगरबत्ती को दीपक की अग्नि से जलाते हैं, तो ऐसा नहीं करना चाहिए। क्योंकि दीपक से धूपबत्ती या अगरबत्ती जलाने से दीपक की अग्नि बुझ सकती है। इसलिए धूपबत्ती जलाने के लिए हमेशा माचिस का इस्तेमाल करना चाहिए। इससे अशुभ फल की प्राप्ति होती है और व्यक्ति को आर्थिक तंगी का भी सामना करना पड़ सकता है।

भूलकर भी न करें ये गलतियां

अगर आप भी रोजाना शाम के समय मुख्य द्वार पर दीपक जलाते हैं, तो कुछ खास नियमों का ध्यान रखना जरूरी है। लेकिन जरूरी है कि घर के मुख्य द्वार पर दीपक जलाकर इस तरह से रखना चाहिए कि इसका मुख सामने की ओर है। इस तरह दीपक जलाना शुभ माना जाता है। वहीं दीपक जलाने के दौरान ध्यान रखें कि कभी सम संख्या में दीपक न जलाएं। बल्कि आप 3, 5, 7, 9 और 11 दीप जला सकते हैं।

इस तेल का जलाएं दीपक

घर के मंदिर में श्रीहरि और मां लक्ष्मी की पूजा के समय सही तेल से दीपक जलाना जरूरी होता है। धार्मिक मान्यता के मुताबिक भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी के सामने शुद्ध देसी घी का दीपक जलाना चाहिए। इससे जातक को विशेष कृपा प्राप्त होती है और जीवन में धन-दौलत की कमी नहीं होती है। लेकिन भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी के सामने तेल का दीपक नहीं जलाना चाहिए। ऐसा करने से आपकी पूजा अधूरी रह सकती है।

दीपक की बाती

पूजा के समय दीपक जलाने के दौरान तेल और बाती का हमेशा ख्याल रखना चाहिए। दीपक की बाती के प्रयोग के कुछ खास नियम होते हैं। जिनका ध्यान रखना चाहिए। धार्मिक मान्यता है कि मां लक्ष्मी और मां दुर्गा की पूजा के समय लाल रंग की बाती का इस्तेमाल करना चाहिए। मां दुर्गा और मां लक्ष्मी की पूजा के दौरान सफेद रंग की बाती का प्रयोग नहीं करना चाहिए। इससे व्यक्ति को अशुभ फल की प्राप्ति होती है। क्योंकि सफेद रंग की बाती पितरों के सामने जलानी चाहिए।

विष्णु पूजा में दीपक

गुरुवार का दिन जगत के पालनहार भगवान श्रीहरि विष्णु को समर्पित माना जाता है। विष्णु भगवान की पूजा के समय दीपक जलाते समय इस बात का ख्याल रखें कि दीपक की बाती पीले रंग की हो। गुरुवार को पीले रंग के इस्तेमाल का विशेष महत्व होता है। इससे भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं और व्यक्ति को पूजा का पूर्ण फल प्राप्त होता है।

शनिदेव की पूजा में दीपक

शनिवार का दिन शनिदेव को समर्पित होता है। ऐसे में शनिवार को शनिदेव की पूजा करने और सरसों का तेल अर्पित करने का खास महत्व होता है। लेकिन शनिदेव के सामने दीपक जलाने के दौरान सही तेल और बाती का इस्तेमाल करना जरूरी होता है। ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक शनिदेव के सामने नीले या काली बत्ती का इस्तेमाल करना चाहिए। वहीं दीपक सरसों या तिल के तिल में जलाना चाहिए। ऐसा करने से शनिदेन प्रसन्न होते हैं और व्यक्ति के जीवन से दुर्भाग्य दूर हो सकता है। शनिदेव के सामने घी का दीपक कभी नहीं जलाना चाहिए।

सावन में भगवान शिव को चढ़ाएं ये एक खास फूल, बदल सकती है किस्मत

सावन का महीना भगवान शिव की भक्ति के लिए बेहद खास माना जाता है। इस पावन महीने में शिव मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ती है। शिवलिंग पर जल, दूध, बेलपत्र चढ़ाने की परंपरा तो है ही, लेकिन क्या आप जानते हैं कि सिर्फ एक फूल चढ़ाकर भी आप भोलेनाथ को प्रसन्न कर सकते हैं? शास्त्रों के अनुसार, यह फूल आपके जीवन की समस्याएं दूर कर सकता है। ऐसे में आइए जानते हैं कि वह कौन सा फूल है और उसे कैसे चढ़ाना चाहिए।

सावन 2025 में कब से कब तक रहेगा?

पंचांग के अनुसार साल 2025 में सावन का महीना 11 जुलाई 2025 से शुरू होकर 9 अगस्त 2025 तक रहेगा। इस बार सावन में 4 सोमवार पड़ेंगे। भगवान शिव का प्रिय दिन सोमवार होता है और सावन में इनका विशेष महत्व है। ऐसा कहा जाता है कि इस महीने में भगवान शिव की भक्ति करने से जीवन के सभी दुख-दर्द दूर होते हैं और मनचाही इच्छाएं पूरी होती हैं।

कौन सा है वो खास फूल?

सावन में भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए जिस फूल की बात हो रही है, वह है कनेर का फूल। खासकर पीले रंग का कनेर भगवान शिव को सबसे अधिक प्रिय माना जाता है। मान्यता है कि इस फूल को अर्पित करने से भगवान शिव भक्त की सभी परेशानियों का अंत कर देते हैं। इसके साथ ही जीवन में सुख-शांति और समृद्धि का आगमन होता है।

कई रंगों का होता है यह फूल

कनेर का फूल न केवल सुंदर होता है बल्कि यह लाल, गुलाबी, पीले और सफेद रंगों में मिलता है। हिंदू धर्म में पूजा-पाठ में इस फूल का विशेष महत्व है। खासतौर पर सावन में शिवलिंग पर कनेर का फूल चढ़ाने से जल्दी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इस बात का खास ध्यान रखें कि फूल चढ़ाते समय '? नमः शिवाय' मंत्र का जाप जरूर करें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मोदी की यात्रा से चमका भारत-त्रिनिदाद रिश्ता, डिजिटल से लेकर दवा तक हुए 6 बड़े समझौते

पोर्ट ऑफ़ स्पेन, एजेंसी। भारत और त्रिनिदाद एवं टोबैगो ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी समकक्ष कमला प्रसाद बिसेसर के बीच वार्ता के बाद बुनियादी ढांचे और औषधि समेत कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए छह समझौतों पर हस्ताक्षर किए। दोनों नेताओं ने कृषि, स्वास्थ्य सेवा और डिजिटल परिवर्तन, एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई), क्षमता निर्माण और लोगों के बीच संपर्क जैसे क्षेत्रों में संभावित सहयोग पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय ने कहा, ''प्रधानमंत्री की त्रिनिदाद और टोबैगो की ऐतिहासिक यात्रा से दोनों देशों के बीच विशेष संबंधों को बढ़ावा मिला है।

मोदी पांच देशों की यात्रा के दूसरे चरण में बृहस्पतिवार को पोर्ट ऑफ स्पेन पहुंचे। यह 1999 के बाद से किसी भारतीय प्रधानमंत्री की त्रिनिदाद एवं टोबैगो की पहली द्विपक्षीय यात्रा है। प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता के दौरान बिसेसर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की त्रिनिदाद एवं टोबैगो की ''ऐतिहासिक यात्रा दोनों देशों के बीच गहरे द्विपक्षीय संबंधों को और प्रगाढ़ करेगी। वहीं, प्रधानमंत्री मोदी ने पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर भारत के लोगों के प्रति त्रिनिदाद एवं टोबैगो के मजबूत समर्थन व एकजुटता की सराहना की।

विदेश मंत्रालय ने कहा, ''दोनों नेताओं ने आतंकवाद से लड़ने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। प्रधानमंत्री मोदी ने त्रिनिदाद और टोबैगो की राष्ट्रपति क्रिस्टीन कार्ला कंगालू से भी मुलाकात की। मोदी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा कि भारत और त्रिनिदाद एवं टोबैगो के बीच दोस्ती को नयी गति मिली है। उन्होंने कहा, ''त्रिनिदाद एवं टोबैगो को धन्यवाद। यहां बिताए गए पल कभी नहीं भुलाए जा सकेंगे। हमने भारत-त्रिनिदाद एवं टोबैगो मैत्री को नयी गति दी है।

राष्ट्रपति क्रिस्टीन कार्ला कंगालू, प्रधानमंत्री कमला प्रसाद-बिसेसर, सरकार और इस अद्भुत देश के लोगों के प्रति मेरा आभार। दोनों देशों के बीच छह समझौतों से भारत और त्रिनिदाद एवं टोबैगो के बीच फार्माकोपिया, त्वरित प्रभाव परियोजनाओं, संस्कृति, खेल और कूटनीतिक प्रशिक्षण आदि क्षेत्रों में गहन सहयोग संभव होगा। द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए कई घोषणाएं की गईं, जिनमें कैरेबियाई देश में भारतीय मूल के लोगों की छठी पीढ़ी को ओसीआई (भारत की विदेशी नागरिकता) कार्ड की पेशकश भी शामिल है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि मोदी और बिसेसर ने 'ग्लोबल साउथ के देशों के बीच अधिक एकजुटता के लिए मिलकर काम करने तथा 'भारत-कैरिकॉम साझेदारी को मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की। 'कैरिकॉम (कैरेबियन समुदाय) 15 राष्ट्रों और पांच सहयोगी सदस्यों का एक क्षेत्रीय राजनीतिक और आर्थिक संघ है। विदेश मंत्रालय ने कहा, ''दोनों नेताओं ने आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा की। उन्होंने जलवायु परिवर्तन, आपदा प्रबंधन और साइबर सुरक्षा जैसी समकालीन चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक सहयोग का आह्वान किया।

राष्ट्रपति कंगालू के साथ प्रधानमंत्री मोदी की बैठक पर विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह गर्मजोशी से भरी बैठक थी तथा यह दोनों देशों के बीच गहरी मित्रता की बानगी थी। मंत्रालय ने कहा, ''प्रधानमंत्री ने इस वर्ष प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार प्राप्त करने पर राष्ट्रपति कंगालू को बधाई दी और उनकी विशिष्ट सार्वजनिक सेवा के लिए गहरी सराहना की।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने बिसेसर को भारत आने का निमंत्रण दिया जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने कैरेबियाई देश की संसद को संबोधित किया और दोनों देशों के बीच क्रिकेट संबंधों के बारे में बात की। उन्होंने कहा, ''दोनों देशों के बीच संबंधों में स्वाभाविक गर्मजोशी है। मैं यह जरूर कहना चाहूंगा कि वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के सबसे उत्साही प्रशंसकों में से भारतीय हैं! हम पूरे दिल से उनका उत्साहवर्धन करते हैं, सिवाय इसके कि जब वे भारत के खिलाफ खेल रहे हों।

मोदी ने त्रिनिदाद और टोबैगो की विकास यात्रा में भारतीय मूल के लोगों के योगदान की भी सराहना की। उन्होंने कहा, ''राजनीति से लेकर कविता तक, क्रिकेट से लेकर वाणिज्य तक, कैलिप्सो से लेकर चटनी तक, वे हर क्षेत्र में योगदान देते हैं। वे उस जीवंत विविधता का अभिन्न अंग हैं जिसका आप सभी सम्मान करते हैं। मोदी ने कहा, ''आपने मिलकर एक ऐसे राष्ट्र का निर्माण किया है जो अपने आदर्श वाक्य पर चलता है- 'हम साथ मिलकर आकांक्षा रखते हैं, हम साथ मिलकर हासिल करते हैं। भारत तथा त्रिनिदाद और टोबैगो ने 31 अगस्त 1962 को राजनयिक संबंध स्थापित किए थे। उसी वर्ष इस कैरेबियाई राष्ट्र को स्वतंत्रता प्राप्त हुई थी।

संक्षिप्त समाचार

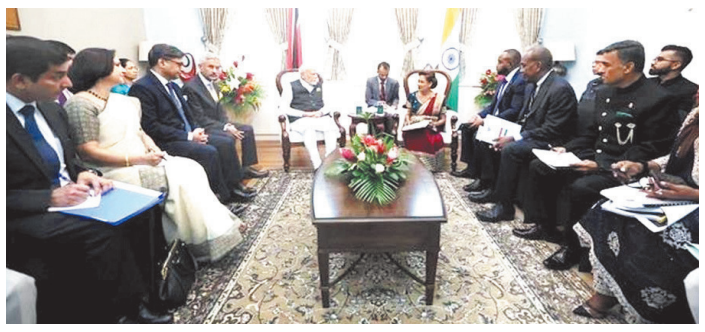

इटली में यौन दरिंदों पर सीधा वार: रेपिस्ट को मिलेगी 'केमिकल सजा', हो जाएंगे नपुंसक

रोम एजेंसी। इटली सरकार अब रेप और बच्चों से यौन शोषण करने वालों के खिलाफ कड़ा कानून लाने जा रही है। इस कानून के तहत ऐसे अपराधियों को 'केमिकल कैस्ट्रेशन' की सजा दी जा सकेगी। यह एक दवा आधारित इलाज होता है। इसमें ऐसी दवाएं दी जाती हैं जो अपराधी का हवस का भूत यानि यौन इच्छा को बहुत कम कर देती हैं। यह इलाज पूरी तरह स्वैच्छिक यानी अपनी मर्जी से लिया जाएगा। यह वापस भी लिया जा सकता है यानी स्थायी नहीं होगा। अगर अपराधी यह इलाज स्वीकार करता है, तो उसे जेल की सजा में कुछ छूट दी जा सकती है। हाल के समय में इटली में कई बड़े यौन अपराध हुए हैं। खासकर बच्चों के साथ सामूहिक दुष्कर्म के मामले बढ़े हैं। इन मामलों के बाद लोगों में काफी गुस्सा है। प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी की सरकार और लीग पार्टी इस प्रस्ताव का समर्थन कर रही हैं। उनका कहना है कि इससे दोबारा अपराध होने से रोका जा सकेगा।कुछ विपक्षी नेता और मानवाधिकार संगठन इस कानून का विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि यह इंसानों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। कुछ डॉक्टरों का मानना है कि हर यौन अपराध सिर्फ यौन इच्छा की वजह से नहीं, बल्कि गुस्से और नियंत्रण की भावना से भी होते हैं। सरकार ने इस पर काम शुरू कर दिया है। एक समिति बनाई गई है जो इस कानून का ड्राफ्ट तैयार करेगी। फिर इसे संसद में बहस के बाद पास किया जाएगा। यह खबर सिर्फ जानकारी देने के लिए है। इसमें इस्तेमाल किए गए फोटो और वीडियो पर हमारा कोई हक नहीं है।

अमेरिका में भीषण बाढ़ का कहर, समर कैंप से 23 लड़कियां लापता, परिजनों में मचा कोहराम

न्यूयार्क एजेंसी। दक्षिण-मध्य टेक्सास में आई भीषण बाढ़ के बाद एक 'समर कैंप से 20 से अधिक लड़कियां शुक्रवार को लापता हो गईं। चिंतित परिजनों ने सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें साझा कर गुमशुदा लड़कियों के विषय में जानकारी देने की लोगों से अपील की है। केर काउंटी के शेरिफ लैरी लीथा ने बताया कि टेक्सास हिल कंट्री में बारिश के कारण शुक्रवार को कम से कम 24 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग लापता हो गए। बाढ़ के लिहाज से संवेदनशील इलाकों में वर्षों से 'समर कैंप आयोजित किए जाते हैं जहां प्रतिवर्ष हजारों बच्चे आते हैं। लेफ्टिनेंट गवर्नर डैन पैट्रिक ने बताया कि हंट इलाके में ग्वाडालूप नदी किनारे के 'मिस्टिक कैंप की 23 लड़कियां लापता हैं। बचाव दल नाव और हेलीकॉप्टर से उनकी तलाश कर रहे हैं। दर्जनों परिवारों ने बताया कि सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें सूचना दी है कि उनकी बेटियों का अब तक पता नहीं चला है। वहीं ''कैंप मिस्टिक ने लड़कियों के परिजन को ईमेल कर कहा है कि जिनसे कैंप ने सीधे संपर्क नहीं किया है,उनकी बच्चियां सुरक्षित हैं।

कनाडा जाने के लिए बैंक में कितना पैसा होना चाहिए और कौन-कौन से कागज़ात जरूरी हैं?

टोरंटो एजेंसी। अगर आप विदेश यात्रा का सपना देख रहे हैं, खासकर कनाडा जाने का, तो इसके लिए सबसे पहले आपके पास पासपोर्ट और वीज़ा होना ज़रूरी है। वीज़ा कई प्रकार के होते हैं, जैसे कि स्टूडेंट वीज़ा, टूरिस्ट वीज़ा, बिजनेस वीज़ा आदि। लेकिन वीज़ा अप्लाई करते समय कुछ ज़रूरी बातें ध्यान में रखना बहुत ज़रूरी है, खासकर बैंक बैलेंस को लेकर। कनाडा के वीज़ा के लिए आपके बैंक खाते में कम से कम 15 लाख रुपये होना ज़रूरी माना जाता है। ध्यान रहे कि यह रकम वीज़ा आवेदन के समय पहले से ही खाते में होनी चाहिए, न कि अचानक से जमा की गई हो। अगर वीज़ा अधिकारी को लगता है कि पैसे अचानक जमा किए गए हैं या खाते में कोई बड़ा लेन-देन हुआ है, तो वीज़ा रिजेक्ट भी हो सकता है। बैंक बैलेंस की ज़रूरत आपके वीज़ा के प्रकार, उसकी अवधि और आपके साथ कौन-कौन जा रहा है।

ब्राजीलियन बट लिफ्ट सर्जरी ने ली एक और जान, अमेरिका में पुलिस अधिकारी की दर्दनाक मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। खूबसूरत और सबसे अलग दिखने की चाह कई बार लोगों की जान ले लेती है। ऐसा ही एक मामला अमेरिका से सामने आया है, जहां पर ब्राजीलियन बट लिफ्ट सर्जरी कराने के बाद अमेरिकी पुलिस अधिकारी की मौत हो गई। सर्जरी के बाद 26 साल की वाइल्डेलिस रोजा को भयंकर दर्द की शिकायत हुई थी। महिला पुलिस अधिकारी की मौत उनके जन्मदिन के एक दिन बाद 23 मार्च हुई। इससे पहले 19 मार्च को उन्होंने साउथ फ्लोरिडा के प्रेस्टीज प्लास्टिक सर्जरी क्लिनिक में सर्जरी से पहले ब्लड की जांच कराई और फिर अगले दिन डॉक्टरों ने उनके शरीर के चारों ओर 12 अलग-अलग हिस्सों से फैट निकालकर नितंबों में इंजेक्ट किया। सर्जरी के लिए रोजा ने लगभग 6 लाख 41 हजार रुपये दिए। 22 मार्च को रोजा ने अपने परिजनों से बातचीत की और इस सर्जरी के बारे में बताया। उनकी बहन एनामिन वाजक्वेज ने कहा कि रोजा ने बताया था कि उन्हें कुछ परेशानी हो रही है। उनके जन्मदिन के दिन मैसेज भी किया लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। इसके अलावा रोजा की मित्र ने पुलिस अधिकारियों को बताया कि सर्जरी के बाद रोजा डॉक्टरों से मिलने के लिए गईं और उनसे भयंकर दर्द की शिकायत की।

अमेरिका में वन बिग ब्यूटीफुल बिल बना कानून, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने किए हस्ताक्षर

वॉशिंगटन एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक नया बड़ा आर्थिक कानून वन बिग ब्यूटीफुल पास किया है। उन्होंने 4 जुलाई को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर व्हाइट हाउस में एक पिकनिक समारोह के दौरान इस बिल पर हस्ताक्षर किए। अब यह बिल कानून बन चुका है।सरकार का दावा है कि इससे अमेरिकी अर्थव्यवस्था को तेज़ी मिलेगी, मिडिल क्लास को फायदा होगा, और छोटे व्यापारों को बढ़ावा मिलेगा।

कैसे बना यह कानून?

यह बिल पहले हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स (अमेरिकी संसद का निचला सदन) में पेश हुआ, जहाँ इसे 218-214 वोटों से पास किया गया।

ट्रंप ने क्या कहा?

व्हाइट हाउस के लॉन में आयोजित पिकनिक में ट्रंप ने कहा- यह कानून अमेरिकी परिवारों और बिज़नेस के लिए एक नई शुरुआत है। टैक्स कम होंगे, खर्च नियंत्रित होंगे, और अमेरिका की अर्थव्यवस्था पहले से भी ज्यादा मज़बूत होगी।उन्होंने दावा किया कि- यह अब तक की सबसे बड़ी टैक्स कटौती है सबसे बड़ा सरकारी खर्च कम किया गया है अमेरिकी इतिहास में सबसे ज़्यादा सीमा सुरक्षा पर निवेश किया गया है ट्रंप ने यह भी कहा, मैंने पहले कभी लोगों को इतना खुश नहीं देखा। सैनिकों से लेकर आम नागरिक तक सभी को अब ज़्यादा सुरक्षा और स्थिरता महसूस हो रही है।

लेकिन क्यों हो रहा है विरोध?

हालांकि ट्रंप और उनके सहयोगी इसे बड़ी जीत बता रहे हैं, लेकिन बहुत से जानकार और विपक्षी नेता इस कानून पर सवाल उठा रहे हैं।

रिकॉर्ड विरोध भाषण-

हाउस में डेमोक्रेटिक लीडर हकीम जेफ्रीज़ ने इस बिल का विरोध करते हुए लगातार 8 घंटे 46 मिनट तक भाषण दिया। उन्होंने इसे अमीरों का तोहफा और गरीबों की सजा

पुतिन के हाइपरसोनिक मिसाइल हमले के बाद यूक्रेन का काउंटर अटैक, रूस के मिलिट्री एअरफील्ड को बनाया निशाना

कीव, एजेंसी। यूक्रेन ने रूस पर पलटवार करते हुए शनिवार (05 जुलाई, 2025) को उसके मिलिट्री एअरफील्ड पर हमला किया। इस बात की जानकारी यूक्रेन की सेना ने सोशल मीडिया के जरिए दी।

यूक्रेनी सेना ने एक बयान में कहा कि यूक्रेन के विशेष बलों ने शनिवार को वोरोनिश क्षेत्र में रूस के बोरिसोग्लबस्क सैन्य हवाई क्षेत्र पर हमला किया, जिसमें ग्लाइडर बम स्टोर और एक ट्रेनर एअरक्राफ्ट को निशाना बनाया गया। सेना ने आगे कहा कि अन्य विमानों पर भी हमला होने की संभावना है।

हालांकि सेना ने इसकी कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी। वहीं, रूस ने सबसे बड़ा हवाई हमला करते हुए ड्रोन और मिसाइलों से रात भर यूक्रेन को निशाना बनाया। इस हमले में एक शख्स की मौत हो गई और एक बच्चे समेत कम से कम 26 लोग घायल हुए। अधिकारियों ने बताया कि कीव में सात घंटे तक चली बमबारी से राजधानी के कई जिलों में भारी नुकसान हुआ है।रात के समय आसमान में धमाकों की रोशनी फैल गई और हवाई हमले के सायरन की आवाजें पूरे शहर में गूंजने लगीं। आपातकालीन वाहनों की नीली रोशनी ऊंची इमारतों पर पड़ रही थी और मलबे ने शहर की सड़कों को अवरुद्ध कर दिया था।

बच्चा पैदा करो, सरकार से पाओ 1.26 लाख!

बीजिंग एजेंसी। चीन इन दिनों एक गंभीर जनसांख्यिकीय संकट से गुजर रहा है। दुनिया की सबसे बड़ी आबादी का खिताब गंवा चुका यह देश अब घटती जनसंख्या को थामने के लिए हर मुमकिन कोशिश में जुटा है। बच्चों के जन्म को प्रोत्साहित करने के लिए अब चीनी सरकार ने एक नई योजना का ऐलान किया है, जिसमें माता-पिता को आर्थिक सहायता दी जाएगी। सरकार को उम्मीद है कि इस कदम से परिवारों को संतानोत्पत्ति के लिए प्रेरित किया जा सकेगा।

नई स्कीम में क्या मिलेगा?

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, चीन सरकार 1 जनवरी 2025 से जन्म लेने वाले हर बच्चे के लिए माता को तीन साल तक हर साल 3,600 युआन (करीब ?42,000) की आर्थिक मदद देगी। इस तरह कुल सहायता राशि करीब ?1.26 लाख होगी। हालांकि, इस योजना की आधिकारिक पुष्टि अब तक स्टेट काउंसिल इंफॉर्मेशन ऑफिस द्वारा नहीं की गई है।

इसके अलावा, स्थानीय सरकारें भी अपनी-अपनी योजनाएं लेकर सामने आ रही हैं। उदाहरण के तौर पर, इनर मंगोलिया के होहोट शहर में दूसरे बच्चे पर 50,000 युआन और तीसरे बच्चे पर 1 लाख युआन की पेशकश की जा रही है।

जनसंख्या में लगातार गिरावट : रॉयटर्स की रिपोर्ट बताती है कि 2024 में चीन की जनसंख्या 1.409 बिलियन से घटकर 1.408 बिलियन रह गई है। 2022 में चीन की जनसंख्या में 60 वर्षों बाद पहली बार गिरावट दर्ज की गई थी, और यह सिलसिला अब भी जारी है।

चीन में एक समय लागू रही कुख्यात वन चाइल्ड पॉलिसी को अब थ्री-चाइल्ड पॉलिसी से बदल दिया गया है, लेकिन इसका असर अपेक्षित नहीं रहा। परिवारों को बड़ी चिंता इस बात की है कि बढ़ती महंगाई और जीवनशैली के खर्चों के बीच वे बच्चों का लालन-पालन कैसे करेंगे।

हाल ही में चीन में 1.44 लाख माता-पिता पर किए गए एक सर्वे में सामने आया कि केवल 15त्न लोग ही ज्यादा बच्चे पैदा करने के लिए इच्छुक हैं। जब इन्हें आर्थिक मदद के तौर पर 1,000 युआन की पेशकश की गई, तब भी यह आंकड़ा 8.5त्न ही बढ़ा। यानी, सरकार की आर्थिक सहायता से कुछ असर जरूर दिख रहा है, लेकिन यह बेहद सीमित है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस समस्या का हल केवल आर्थिक सहायता से नहीं निकल सकता। इसके लिए दीर्घकालिक सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक बदलाव ज़रूरी हैं।

गिरती जनसंख्या दर की चुनौती केवल चीन तक सीमित नहीं है। दक्षिण कोरिया में एक साल से कम उम्र के बच्चों वाले परिवारों को मासिक सब्सिडी 700,000 से बढ़ाकर 1 मिलियन च्रङ्क्ष कर दी गई, जिससे पहली बार 3.1त्न की बढ़ोतरी दर्ज की गई। वहीं जापान में सरकार ने चाइल्ड केयर इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए 2005 से हजारों डे-केयर सेंटर शुरू किए, जिससे प्रजनन दर में मामूली सुधार देखा गया।

चैटजीपीटी ने दिखाया रास्ता... पलक झपकते ही बदल दी जिंदगी! महिला ने चुकाया 20 लाख का लोन

वाशिंगटन एजेंसी। आज के समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिर्फ तकनीकी दुनिया में बदलाव नहीं ला रहा, बल्कि आम लोगों की ज़िंदगी में भी बड़ा फर्क डाल रहा है। अमेरिका की रहने वाली 35 साल की जेनिफर एलन इसकी एक सच्ची मिसाल हैं। उन्होंने एआई टूल चैटजीपीटी की मदद से करीब 20 लाख रुपये (25,000 डॉलर से ज़्यादा) का क्रेडिट कार्ड कर्ज चुकाया।

पेशे से रियल एस्टेट एजेंट, पर फाइनेंशियल समझ की कमी : जेनिफर पेशे से रियल एस्टेट एजेंट और साथ ही कंटेंट क्रिएटर भी हैं। आमदनी अच्छी थी, लेकिन फाइनेंशियल लिटरेसी यानी पैसों की समझ की कमी उन्हें धीरे-धीरे मुसीबत में ले आई। जब उनकी बेटी का जन्म हुआ, तो मेडिकल खर्च और बच्चों की ज़रूरतें बढ़ गईं। ऐसे में उन्हें बार-बार क्रेडिट कार्ड का सहारा लेना पड़ा। वे बताती हैं कि उन्होंने कोई फिजूलखर्ची नहीं की, सिर्फ ज़रूरी चीजों पर ही पैसे खर्च किए। लेकिन धीरे-धीरे कर्ज इतना बढ़ गया कि खुद भी डरने लगीं। एक दिन जब चैटजीपीटी की सलाह पर उन्होंने अपने पुराने ब्रोकरेज अकाउंट्स की जांच की, तो उन्हें हैरानी हुई।

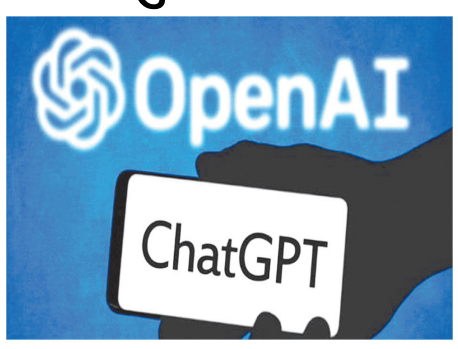

उन्हें वहां करीब 8.5 लाख रुपये (10,000 डॉलर से ज़्यादा) की रकम मिली जो उन्होंने पहले कभी निवेश की थी लेकिन भूल चुकी थीं। दूसरी तरफ, किराने के खर्च पर नियंत्रण रखकर उन्होंने 50 हजार रुपये से ज़्यादा की बचत भी की। इस तरह, सिर्फ 30 दिनों में वे करीब 10.3 लाख रुपये का कर्ज चुका सकीं, जो उनके कुल कर्ज का लगभग आधा था।

पैसों से डरना छोड़ दिया, यही असली जीत है : जेनिफर कहती हैं, ये किसी जादू की तरह नहीं था। मैंने रोज़ अपने हालात का सामना किया, अपनी गलतियों को समझा और उन्हें सुधारने की कोशिश की। मैंने पैसों से डरना छोड़ दिया, यही मेरी सबसे बड़ी जीत है। अब वे एक और 30 दिनों का फाइनेंशियल चैलेंज शुरू करने की तैयारी में हैं, ताकि बाकी का कर्ज भी उतारा जा सके।

दूसरों के लिए प्रेरणा बनीं जेनिफर : अमेरिका जैसे देश में जहां पर्सनल कर्ज लगातार बढ़ रहा है, वहां जेनिफर की कहानी लाखों लोगों के लिए एक उम्मीद की किरण है। उनका साफ़ संदेश है, शुरुआत करने के लिए परफेक्ट समय का इंतज़ार मत करो। सही जवाबों की तलाश में मत भागो। बस शुरुआत करो और अपनी स्थिति से भागना बंद करो।

त्रिनिदाद एंड टोबैगो में बिना वीजा 90 दिन रह सकते हैं भारतीय

चगवानस एजेंसी। दुनियाभर में भारतीय पासपोर्ट की ताकत लगातार बढ़ती जा रही है। अब भारतीय नागरिक त्रिनिदाद एंड टोबैगो जैसे खूबसूरत और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध देश में बिना वीजा 90 दिन तक रह सकते हैं। यह सुविधा सिर्फ पर्यटन ही नहीं, बल्कि परिवार से मिलने या व्यावसायिक उद्देश्य के लिए यात्रा कर रहे भारतीयों पर भी लागू होती है।

यह सुविधा दर्शाती है कि भारत और त्रिनिदाद एंड टोबैगो के संबंध कितने मजबूत हैं, और यह भी दिलचस्प है कि इस देश की सत्ता के प्रमुख पदों पर भारतीय मूल के नेता मौजूद हैं।

बिना वीजा के 90 दिन कैसे बिता सकते हैं? जानें नियम : भारतीय नागरिक यदि घूमने, बिजनेस या परिवार से मिलने के लिए त्रिनिदाद एंड टोबैगो जाना चाहते हैं, तो उन्हें पहले से वीजा लेने की जरूरत नहीं है। वे वहां 90 दिनों तक रुक सकते हैं। हालांकि कुछ बुनियादी नियमों का पालन करना ज़रूरी है-

त्रिनिदाद एंड टोबैगो- एक देश, दो द्वीप, अनगिनत अनुभव : त्रिनिदाद एंड टोबैगो दो द्वीपों से मिलकर बना एक कैरेबियाई देश है, जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता, संस्कृति और विविधता के लिए मशहूर है।

भारत और त्रिनिदाद एंड टोबैगो के गहरे संबंध : इस कैरेबियाई देश में बड़ी संख्या में भारतीय प्रवासी समुदाय है, जिनकी जड़ें 180 साल पुरानी हैं। यहां के बहुत से नागरिकों के पूर्वज 19वीं सदी में गिरमिटिया मजदूर के रूप में भारत से आए थे। आज वे देश के सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक जीवन में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में त्रिनिदाद की यात्रा के दौरान इन संबंधों को साझा संस्कृति और भविष्य की साझेदारी बताया। इस दौरान भारत और त्रिनिदाद के बीच कई समझौते भी हुए।

कमजोर पड़ रहा है हिजबुल्लाह? रणनीति बदलने से उठने लगे सवाल, इजरायल को कितना खतरा

बेरुत, एजेंसी। क्या हिजबुल्लाह कमजोर पड़ रहा है? क्या वह खुद को सीमित कर रहा है? यह सवाल उठा है हिजबुल्लाह की ताजा रणनीति के खुलासे के बाद। बताया जा रहा है कि इजरायल से युद्ध बाद ईरान समर्थित यह संगठन अपना शस्त्रागार कम करने पर विचार कर रहा है। इसके साथ-साथ वह सशस्त्र आंदोलन में अपनी भूमिका को सीमित करने पर भी विचार कर रहा है। जानकारी के मुताबिक इस बारे में आंतरिक चर्चा हुई है, हालांकि इस पर अभी अंतिम फैसला नहीं हुआ है। इस तरह की चीजें दिखाती हैं लेबनान पर किस तरह का दबाव है। यह दबाव नवंबर के अंत में संघर्ष विराम के बाद से और ज्यादा बढ़ा है।

आर्थिक परेशानियां भी बढ़ीं : गौरतलब है कि इजरायली सेना लगातार हिजबुल्लाह प्रभावित जगहों पर हमले करती है। इजरायल हिजबुल्लाह पर युद्धविराम के उल्लंघन का भी आरोप लगाते हैं। हालांकि हिजबुल्लाह इस बात का लगातार खंडन करता है। हिजबुल्लाह पिछले कुछ समय से गंभीर आर्थिक परेशानियों से भी जूझ रहा है। वहीं, अमेरिकी सेना लगातार इस चरमपंथी संगठन पर निरस्तीकरण का दबाव बनाए हुए है। हिजबुल्लाह की परेशानी पिछले साल उस वक्त बढ़ गई जब इजरायल ने इसके ऊपर हमले करके इसकी कमान को नष्ट कर दिया। इस हमले में हजारों हिजबुल्लाह लड़ाके मारे गए और उसका बहुत सारा हथियार भी नष्ट हो गया।

सहयोगी भी हो रहे कमजोर : 'सिर्फ इतना ही नहीं, हिजबुल्लाह का सीरियाई सहयोगी, बशर अल-असद, पिछले साल दिसंबर में सत्ताविहीन हो गया। इसके बाद इसकी हथियारों की सप्लाई प्रभावित हुई है। वहीं, ईरान खुद इजरायल के साथ युद्ध से उबरने की कोशिश में लगा हुआ है। ऐसे में वह हिजबुल्लाह की कितनी मदद कर पाएगा, यह कहना भी मुश्किल होगा। हिजबुल्लाह की अंदरूनी चर्चाओं की जानकारी रखने वाले एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहाकि समूह का अगला कदम क्या होगा, इसको लेकर गुप-चुप बातें चल रही हैं।

मिडिल ईस्ट का अहम खिलाड़ी : बता दें कि हिजबुल्लाह मिडिल ईस्ट में सैन्य अहमियत रखता है। उसके पास हजारों सैनिक, मिसाइलें और इजरायल पर हमले के लिए ड्रोन शामिल थे। पिछले साल मारे गए हसन नसरल्लाह के नेतृत्व में इसकी इसकी क्षेत्रीय अहमियत काफी ज्यादा थी। इसने सीरिया, इराक और यमन में अपने सहयोगियों को भी समर्थन दिया। इजरायल हिजबुल्लाह को अहम खतरा मानता रहा है। गाजा में 2023 के युद्ध में इसने फिलिस्तीनी संगठन हमास का सहयोग करते हुए हमला बोल दिया। तब इजरायल ने भी लेबनान को करारा जवाब दिया था।

मंडी में फिर फटे बादल, 9 जिलों में फ्लैश फ्लड की चेतावनी जारी

हिमाचल में 269 सड़के, 285 बिजली ट्रांसफॉर्मरों और 278 पेयजल योजनाओं ठप

शिमला।

हिमाचल प्रदेश में बारिश तबाही मचा रही है। मंडी में एक बार फिर बादल फटा। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के रविवार को जारी रेड अलर्ट के बीच सुबह से राज्य के ज्यादातर हिस्सों में मूसलाधार बारिश हो रही है। मंडी, कांगड़ा और सिरमौर जिलों में बहुत भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है, जबकि शिमला, सोलन और हमीरपुर समेत 9 जिलों में अगले 24 घंटे के लिए फ्लैश फ्लड की चेतावनी जारी की गई है।

इस बीच मंडी जिला में फिर बादल फटने से दहशत फैला गई। पधर उपमंडल की टिक्कन पंचायत के सिलबधानी गांव में बीती देर रात बादल फटा, जिससे स्थानीय नाले में बाढ़ आ गई और दो पुलियां बह गईं। इस घटना में कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ। प्रशासन की टीम क्षति का आकलन कर रही है। मौसम विभाग के मुताबिक पिछले 24 घंटे में सबसे ज्यादा बारिश कांगड़ा जिला के नगरोटा सुरियां में 102 मिमी दर्ज की गई। इसके अलावा ऊना में 62 मिमी, धर्मशाला में 61 मिमी, कटुआला और घमरूर में 40-40 मिमी, बरठीं में 38, सुजानपुर टीहरा में 36, भराड़ी में 35, नादौन में 30 और मंडी में 21 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई।

मौसम विभाग ने रविवार के लिए कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है, जबकि सोमवार को बहुत भारी बारिश का ओरेंज अलर्ट जारी किया है।

8 से 10 जुलाई तक येलो अलर्ट और 11 व 12 जुलाई को सामान्य बारिश की संभावना जताई है। लगातार बारिश से राज्य में जनजीवन अस्त-व्यस्त है। आपातकालीन परिचालन केंद्र के मुताबिक रविवार सुबह तक प्रदेश में 269 सड़कों, 285 बिजली ट्रांसफॉर्मरों और 278 पेयजल योजनाओं पर असर पड़ा है। अकेले मंडी जिले में 200 सड़कें, 236 ट्रांसफॉर्मर और 278 जल योजनाएं ठप पड़ी हैं। यह जिला इस समय सबसे ज्यादा प्रभावित है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक 20 जून से 5 जुलाई के बीच हिमाचल प्रदेश में बादल फटने, भूस्खलन, फ्लैश फ्लड और सड़क हादसों में अब तक 74 लोगों की मौत हो चुकी है। 115 घायल हैं, जबकि 37 लोग अभी भी लापता हैं।

इस अवधि में राज्य को 566 करोड़ रुपए से ज्यादा की जनधन हानि का सामना करना पड़ा है। मंडी जिले में 30 जून की रात बादल फटने की 12 घटनाओं में 14 लोगों की जान चली गई

और 31 लोग लापता हो गए। कांगड़ा जिले में 13 मौतें हुई हैं, जिनमें 7 भूस्खलन और 2 बादल फटने से हुईं।

प्राकृतिक आपदाओं के चलते 19 मकान पूरी तरह ध्वस्त, 93 आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त, 213 पशुशालाएं और 21 दुकानें बर्बाद हो चुकी हैं। खेती और बागवानी को भी भारी नुकसान पहुंचा है। साथ ही 10,000 पोल्ट्री पक्षी और 253 मवेशी मारे गए हैं। फिसलनभरी सड़कों और कमजोर पुलों के चलते सड़क हादसों में 27 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें चम्बा में 6, मंडी, बिलासपुर और कुल्लू में 3-3 मौत हुई हैं।

तलाशी के दौरान मिला आतंकियों का अड्डा, भारी मात्रा में मिला हथियारों का जखीरा

जम्मू।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में सुरक्षा बलों को तलाशी अभियान के दौरान आतंकवादी का ठिकाना मिला है। जहां से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि सुरनकोट के जंगलों में पुलिस और सेना के संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान इस ठिकाने का पता चला। अधिकारियों ने बताया कि अभियान में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई। सुरक्षा बलों ने ठिकाने से तीन हथगोले, एके असॉल्ट राइफल की 14 गोलियां, पिस्तौल की 6 गोलियां और अन्य सामग्री बरामद की गईं। वहीं, जम्मू-कश्मीर पुलिस ने आतंकवादी गतिविधियों से जुड़ी अवैध कमाई से अर्जित संपत्ति को कुर्क किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, खानयार पुलिस थाने में दर्ज एक प्राथमिकी के संबंध में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत कुर्की की गई। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि आतंकवादी तंत्र के खिलाफ एक निर्णायक कदम उठाया गया। इसके सहायक ढांचे को ध्वस्त करने के लिए श्रीनगर पुलिस ने एक आवासीय संपत्ति को कुर्क कर लिया है, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग डेढ़ करोड़ रुपये है। खानयार इलाके के शालबाग के मीर मस्जिद मोहल्ला में स्थित यह संपत्ति मोहम्मद यूसुफ शाह के नाम पर पंजीकृत है। वर्तमान में यह उनके बेटे मसूद हुसैन शाह के कब्जे में है। **11 के खिलाफ आरोप पत्र दायर** इस बीच, जम्मू-कश्मीर राज्य जांच एजेंसी ने मादक पदार्थ-आतंकवाद मामले में पाकिस्तान स्थित हिजबुल मुजाहिदीन प्रमुख सैयद मोहम्मद यूसुफ शाह उर्फ सैयद सलाहुद्दीन समेत 11 आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है। एसआईए, जम्मू ने सबसे पहले 2022 में मामला दर्ज किया था। इसने जांच में आतंकवादी सहयोगियों व एक ऐसे सुव्यवस्थित नेटवर्क का पता लगाया था, जो मादक पदार्थों की तस्करी और आतंकवादी गतिविधियों के लिए धन जुटाने में मदद कर प्रतिबंधित संगठन का सहयोग कर रहा था। मध्य कश्मीर के बडगाम के सिबुग गांव के निवासी सलाहुद्दीन के अलावा बडगाम के खान साहिब इलाके का एक अन्य हिजबुल आतंकवादी बशारत अहमद भट का नाम भी आरोप पत्र में शामिल है।

243 करोड़ से बना रामसेतु एलिवेटेड ब्रिज धंसा, लोगों ने उठाए सवाल

कोर्ट में याचिका दायर, 15 से ज्यादा वकील मामले में करेंगे पैरवी

अजमेर।

अजमेर में 243 करोड़ की लागत से बने रामसेतु एलिवेटेड ब्रिज को लेकर विवाद बढ़ गया है। इस रामसेतु ब्रिज की जमीन धंसने की घटना के बाद शनिवार को दो प्रतिवादियों की ओर से कोर्ट में याचिका दाखिल की गई है। याचिका में ठेकेदार, निर्माण कंपनी और अधिकारियों के खिलाफ जांच की मांग की गई है। इस मामले में 15 से ज्यादा वकील कोर्ट में पैरवी करेंगे और इसकी सुनवाई सोमवार को होना है।

प्रतिवादी ने बताया कि 3 जुलाई को रामसेतु ब्रिज की सड़क का हिस्सा धंस गया, जिससे आम लोगों में दहशत है। यह ब्रिज पहले एलिवेटेड रोड के नाम से जाना जाता था, जिसे बाद में रामसेतु ब्रिज के नाम से जाना जाने लगा। प्रतिवादी ने बताया कि एक जागरूक नागरिक होने के नाते उन्होंने कोर्ट का रुख किया ताकि दोषियों की पहचान हो और भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों।

याचिका में कोर्ट से मांग की गई है कि निर्माण में प्रयोग की गई सामग्री की गुणवत्ता की जांच की जाए। तय समय पर कार्य पूरा न होने की जांच और ठेकेदार पर लगी पेनल्टी माफी की भी जांच हो। जिम्मेदार अधिकारियों से नुकसान की वसूली की जाए। जब तक ब्रिज की सुरक्षा की पुष्टि नहीं हो जाती, तब तक इसे बंद रखने की मांग की गई है।

एक वकील ने बताया कि ब्रिज का निर्माण कार्य तीन साल पहले पूरा हुआ था, लेकिन शुरुआत से ही इसकी गुणवत्ता और जरूरत पर सवाल उठते रहे हैं। निर्माण कार्य के दौरान देरी और लागत में बढ़ोतरी को लेकर राजनीतिक विरोध भी सामने आया था।

उन्होंने कहा कि ठेकेदार को समय पर ब्रिज न पूरा करने पर पेनल्टी लगी थी, जिसे बाद में अज्ञात कारणों से माफ कर दिया गया।

सोमवार को होने वाली सुनवाई में शहर के 15 से ज्यादा वकील इस जनहित याचिका पर सह-पक्षकार के रूप में कोर्ट में मौजूद रहेंगे। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि यह केवल एक ब्रिज की बात नहीं है, बल्कि सार्वजनिक धन, नागरिकों की सुरक्षा और शासन की जवाबदेही का सवाल है।

कावड़ यात्रा के चलते 19 से 23 जुलाई तक दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे रहेगा बंद

बस-ट्रक की एंट्री 12 दिन रहेगी बैन, यात्रियों को चुनना होगा वैकल्पिक मार्ग

नई दिल्ली।

कांवड़ यात्रा के मद्देनजर दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे 19 से 23 जुलाई तक पूरी तरह से बंद रहेगा।

गाजियाबाद प्रशासन के आदेशों के मुताबिक मेरठ के काशी टोल प्लाजा से लेकर गाजियाबाद के यूपी गेट तक कुल 56 किलोमीटर तक यह पाबंदी लागू रहेगी। इस रूट पर भारी वाहनों का प्रवेश 11 जुलाई से ही बंर कर दिया जाएगा, जबकि 19 जुलाई से कारों और अन्य हल्के वाहनों पर भी रोक लगा दी जाएगी। दिल्ली को मेरठ, नोएडा और उससे आगे के क्षेत्रों से जोड़ने वाले इस एक्सप्रेसवे के बंद होने से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। एक्सप्रेसवे के समानांतर चलने वाला एनएच-9 आम यातायात के लिए खुला रहेगा, लेकिन इस पर यातायात काफी बढ़ जाएगा जिससे लोगों को परेशान का सामना करना पड़ सकता है।

प्रशासन का यह फैसला कांवड़ यात्रा को सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संचालित करने के लिए लिया है। इस एक्सप्रेसवे पर कोई वाहन नहीं केवल कांवड़ यात्री ही चलेंगे, जबकि आम यात्रियों को वैकल्पिक मार्ग चुनना होगा। ट्रैफिक पुलिस के एसीपी ने जानकारी दी कि आम लोगों की सुविधा के लिए वैकल्पिक मार्ग तय कर दिए गए हैं। मेरठ से गाजियाबाद आने वाले हल्के वाहन हापुड़ होते हुए एनएच-9 का रास्ता अपनाएंगे। इसी तरह गाजीपुर की ओर से आने वाले भारी वाहनों को डासना और फिर ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे के जरिए मेरठ की ओर जाएंगे।

रॉयटर्स की सेवाएं बंद या अकाउंट ब्लॉक करने की जरुरत नहीं

केंद्र बोला- यह तकनीकी समस्या हो सकती है या एक्स का अपना फैसला

नई दिल्ली।

भारत में अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसी रॉयटर्स का एक्स अकाउंट ब्लॉक होने की खबर के बाद केंद्र ने स्थिति साफ की है।

केंद्र सरकार ने कहा है कि रॉयटर्स की सेवाएं बंद करने या अकाउंट ब्लॉक करने की कोई जरुरत नहीं है और इस मामले में कोई औपचारिक आदेश भी नहीं दिया गया है। भारत में कई यूजर्स ने देखा कि रॉयटर्स का एक्स हैंडल अब इस देश में उपलब्ध नहीं दिखा रहा है। यह तब हुआ है जब हाल के दिनों में कुछ अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट्स को लेकर भारत सरकार और कुछ संस्थानों के बीच मतभेद उभरकर सामने आए हैं।

सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सरकार ने रॉयटर्स का एक्स अकाउंट ब्लॉक करने का कोई निर्देश नहीं दिया है।

हमें इसे रोकने की कोई जरुरत नहीं है। यह तकनीकी समस्या हो सकती है या एक्स प्लेटफॉर्म का अपना फैसला।

अब तक रॉयटर्स की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है कि उनका अकाउंट भारत में क्यों ब्लॉक हुआ और क्या यह प्लेटफॉर्म-स्तरीय तकनीकी खामी है या किसी नियम उल्लंघन से जुड़ा मुद्दा।

बता दें रॉयटर्स की गिनती दुनिया की सबसे बड़ी और भरोसेमंद समाचार एजेंसियों में होती है। एजेंसी के पास दुनियाभर में करीब 2,600 पत्रकार और संपादक हैं, जो 200 से ज्यादा ब्यूरो से काम करते हैं। भारत में भी रॉयटर्स की टीम आर्थिक, राजनीतिक और सुरक्षा मामलों पर लगातार रिपोर्टिंग करती रही है।

भारत में रॉयटर्स के एक्स अकाउंट का ब्लॉक होना सूचना पारदर्शिता और डिजिटल अधिकारों से जुड़ा मुद्दा बन सकता है।

सरकार ने साफ कर दिया है कि उसका इससे कोई लेना-देना नहीं है। अब गेंद रॉयटर्स और एक्स के पाले में है कि वे तकनीकी या नीति-आधारित कारणों को सार्वजनिक करें।

चुनाव आयोग के आदेश से स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया होगी प्रभावित

वोटर लिस्ट को लेकर टीएमसी सांसद महुआ ने सुप्रीम कोर्ट में दायर की याचिका

नई दिल्ली।

बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले वोटर लिस्ट संशोधन को लेकर सियासत शुरु हो गई है। इस मुद्दे पर अब तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा ने चुनाव आयोग के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। उन्होंने इसे संविधान का उल्लंघन और लोकतंत्र के खिलाफ साजिश करार दिया है। मोइत्रा ने अपनी जनहित याचिका में चुनाव आयोग के 24 जून 2025 को जारी आदेश पर सवाल उठाए हैं, जिसमें बिहार में मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण किया जाना प्रस्तावित है।

उन्होंने याचिका में कहा कि यह आदेश समानता का अधिकार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रताका उल्लंघन करता है। इससे लाखों नागरिकों के मताधिकार पर संकट आ सकता है और स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव की प्रक्रिया प्रभावित होगी। चुनाव आयोग के इस फैसले पर सिर्फ टीएमसी ही नहीं, बल्कि राजद, कांग्रेस और वामपंथी दलों ने भी नाराजगी जताई है। इनका आरोप है कि मतदाता सूची में संशोधन के जरिए चुनाव पूर्व राजनीतिक लाभ हासिल करने की कोशिश कर रहा है। बता दें चुनाव आयोग ने अपने आदेश में कहा है कि यह कदम मतदाता सूची की शुद्धता तय करने के लिए उठाया गया है। आयोग का कहना है कि इसका उद्देश्य नए वोटर्स को जोड़ना और डुप्लिकेट व फर्जी नाम हटाना है। मोइत्रा की याचिका के बाद इस मामले में अब एक संवैधानिक बहस छेड़ दी है- क्या चुनाव से ठीक पहले वोटर सूची में बड़े बदलाव की इजाजत दी जा सकती है? क्या यह राजनीतिक रूप से प्रेरित फैसला है या लोकतांत्रिक प्रक्रिया की मजबूती के लिए जरूरी सुधार?

सुप्रीम कोर्ट इस याचिका पर जल्द सुनवाई कर सकता है, क्योंकि यह चुनाव पूर्व प्रक्रिया और मताधिकार के संरक्षण से जुड़ा है। यदि कोर्ट चुनाव आयोग के आदेश पर रोक लगाता है, तो इसका असर सिर्फ बिहार ही नहीं, अन्य राज्यों की चुनावी तैयारियों पर भी पड़ेगा।

संक्षिप्त समाचार

राहुल बोले- तो झुक जाएगी सरकार, मंत्री गोयल ने कहा- ये नया भारत है साहब

नई दिल्ली।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अमेरिका से व्यापार समझौते को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तीखी आलोचना की है। राहुल ने कहा कि व्यापार वार्ता के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ समय सीमा के आगे झुक जाएंगे। राहुल के बयान पर पलटवार करते हुए केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि यह नया भारत है, जो पूरी तरह से आत्मविश्वास से भरा है। राहुल की यह टिप्पणी केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के उस बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत के राष्ट्रीय हित सर्वोच्च प्राथमिकता है। दरअसल, अमेरिका चाहता है कि भारत की ओर से कृषि उत्पादों पर टैरिफ में कटौती हो, जबकि भारत चमड़ा और कपड़ा जैसे श्रम से जुड़े क्षेत्र में अमेरिका से छूट चाहता है। राहुल के बयान पर पलटवार करते हुए केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि यह नया भारत है, जो पूरी तरह से आत्मविश्वास से भरा है। राहुल को अब कोई गंभीरता से नहीं लेता, क्योंकि वे, उनके सहयोगी और उनकी पार्टी लगातार नकारात्मकता फैलाते हैं। इसलिए जनता ने उसे शासन से बाहर कर दिया। गोयल ने कहा कि भारत किसी भी अंतरराष्ट्रीय व्यापार समझौते में समयसीमा के दबाव में नहीं आता, बल्कि अपनी आर्थिक और रणनीतिक ताकत के आधार पर बातचीत करता है।

दिल्ली-एनसीआर हाइवे पर बाइक, ऑटो पर सख्त प्रतिबंध लागू करने के निर्देश

नितिन गडकरी ने कहा, नेशनल हाईवे और एक्सप्रेसवे से अवैध होर्डिंग और विज्ञापन हटाए जाएं

नई दिल्ली।

केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने दिल्ली-एनसीआर के एक्सप्रेसवे और एक्सेस कंट्रोल सड़कों पर दोपहिया और तिपहिया वाहनों के प्रवेश पर पहले से लागू प्रतिबंध को सख्ती से लागू कराने का आदेश दिया है। उन्होंने दिल्ली पुलिस को इस दिशा में सख्ती बरतने को कहा है ताकि इन हाईस्पीड सड़कों पर दुर्घटनाओं को रोका जा सके। एक रिपोर्ट के अनुसार गडकरी ने म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन ऑफ दिल्ली (एमसीडी) को भी निर्देश दिए हैं कि नेशनल हाईवे और एक्सप्रेसवे से अवैध होर्डिंग और विज्ञापन हटाए जाएं। मंत्री का कहना है कि ऐसे होर्डिंग और विज्ञापन ड्राइवरों का ध्यान भटकाते हैं, जो जानलेवा साबित हो सकता है। ये निर्देश उन्होंने हाल ही में दिल्ली के राज्यपाल वीके सक्सेना और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की मौजूदगी में आयोजित बैठक में दिए थे। बैठक के मिनट्स के मुताबिक, एनएचएआई और सड़क मंत्रालय के अधिकारी भी दो और तिपहिया वाहनों के प्रतिबंध की बात कर चुके हैं। बदरपुर एलिवेटेड हाईवे पर 16 फरवरी को इसका नोटिफिकेशन जारी किया गया था। इसके अलावा जनवरी 2021 में दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे, और जनवरी 2024 में दिल्ली-गुड़गांव व द्वारका एक्सप्रेसवे पर भी इन वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाई गई थी।

महाराष्ट्र में भाषा विवाद बीजेपी की सुनियोजित साजिश है- कांग्रेस नेता

जनता का ध्यान महंगाई, बेरोजगारी जैसे गंभीर मुद्दों से भटकाना है

इलाहाबाद।

महाराष्ट्र में हाल ही में हिंदी भाषा को लेकर उठे विवाद ने राजनीतिक माहौल गरमा दिया है। इस मुद्दे पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा में डिप्टी लीडर प्रमोद तिवारी ने बीजेपी पर तीखा हमला बोला है। प्रयागराज में मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में भाषा विवाद बीजेपी की सुनियोजित साजिश है, जिसका मकसद जनता का ध्यान महंगाई, बेरोजगारी और बिगड़ती कानून-व्यवस्था जैसे गंभीर मुद्दों से भटकाना है। प्रमोद तिवारी ने स्पष्ट किया कि हिंदी बोलने वालों को महाराष्ट्र में किसी भी तरह की रोक-टोक नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी देश की संपर्क भाषा है, लेकिन हर प्रदेश की अपनी स्थानीय भाषा का सम्मान जरूरी है। भारत एक ऐसा देश है जहाँ कश्मीर से कन्याकुमारी तक हर नागरिक को अपनी भाषा, जाति या धर्म के आधार पर कहीं भी जाने का अधिकार है। इसे रोकना संविधान के खिलाफ है और देश की एकता को कमजोर करने जैसा होगा। बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर महाराष्ट्र में बढ़ रहे भाषा विवाद पर तिवारी ने बीजेपी की नीयत पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि बीजेपी वह पार्टी है जो हर मुद्दे को राजनीतिक रंग देने में माहिर है, चाहे वह मुद्दा कितना भी संवेदनशील क्यों न हो। उनकी सियासी चालों पर भरोसा करना मुश्किल है। कांग्रेस नेता ने देश की एकता और अखंडता की रक्षा के लिए लोगों से अपील की है कि वे इस तरह के विवादित मुद्दों में फंसने के बजाय महंगाई, बेरोजगारी और अन्य जनहित के विषयों पर ध्यान दें और अपनी आवाज बुलंद करें। उन्होंने कहा कि देश में किसी भी साजिश को सफल नहीं होने दिया जाएगा जो लोगों को बांटने की कोशिश करे।

ड्रग मनी लॉन्ड्रिंग मामला: मजीठिया को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

चंडीगढ़।

पंजाब में बिक्रम सिंह मजीठिया मामले में शनिवार को मोहाली की विशेष कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया। शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) के वरिष्ठ नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री मजीठिया को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

यह फैसला 11 दिन के पुलिस रिमांड के बाद आया है, जो 540 करोड़ रुपए की कथित ड्रग मनी लॉन्ड्रिंग और आय से अधिक संपत्ति के मामले में सुनाया गया था।

पंजाब विजिलेंस ब्यूरो का आरोप है कि मजीठिया ने ड्रग कारोबार से अर्जित रकम को वैध संपत्ति में बदला। शिमला में 400 हेक्टेयर जमीन की बेनामी संपत्ति की भी जांच चल रही है। 29 मोबाइल, 4 लैपटॉप, 2 आईपेड, कई डायरियां और 500 करोड़ से जुड़े दस्तावेज जब्त किए गए हैं। सराया इंडस्ट्रीज से जुड़े लेनदेन में 161 करोड़ नकद और 141 करोड़ विदेशी निवेश की अनियमितता बताई गई है।

विजिलेंस ने मजीठिया का रिमांड बढ़ाने की मांग की थी, लेकिन मजीठिया के वकीलों ने इसका विरोध किया। वकीलों ने कहा कि कोई नया सबूत नहीं है और यह राजनीतिक द्वेष का मामला है। इसके बाद कोर्ट ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। मजीठिया ने पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट में अपनी गिरफ्तारी को गैरकानूनी बताते हुए याचिका दायर की है। याचिका में इसे राजनीतिक प्रतिशोध की कार्रवाई बताया गया है। इस याचिका पर 4 जुलाई को सुनवाई हुई थी, लेकिन अंतिम फैसला अभी लंबित है।

बता दें मजीठिया को 25 जून को अमृतसर स्थित उनके घर से गिरफ्तार किया था। 2021 के ड्रग तस्करी मामले में वे 2022 में 5 महीने जेल में रह चुके हैं और अगस्त 2022 में जमानत पर रिहा हुए थे। यह नई गिरफ्तारी प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट के तहत हुई। एसएडी प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने इसे आप सरकार की साजिश बताया है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं को मोहाली आने से रोका गया। दूसरी ओर विजिलेंस ने बताया कि पूर्व डीजीपी सिद्धार्थ चट्टोपाध्याय और ईडी के पूर्व डिप्टी डायरेक्टर निरंजन सिंह के बयान जांच में अहम हैं।

बिक्रम मजीठिया की दोबारा गिरफ्तारी और अब न्यायिक हिरासत ने पंजाब की राजनीति को गरमा दिया है। यह मामला आने वाले चुनावी समीकरणों और कानूनी प्रक्रिया दोनों को प्रभावित कर सकता है।

मुहर्रम पर तैयार हो रहे अग्निकुंड में गिरा युवक, मौत से पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल

पुलिस ने किया मामला दर्ज, प्रशासन ने की लोगों से अपील

रायचूर।

कर्नाटक के रायचूर जिले के यरगुंटी गांव में मुहर्रम जुलूस की तैयारियों के दौरान एक व्यक्ति की आग में गिरने से मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब गांव में अग्निकुंड तैयार किया जा रहा था।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हनुमंत मुहर्रम के जुलूस में प्रदर्शन के लिए तैयार किए गए अग्निकुंड के पास मौजूद था। अचानक पैर फिसलने से वह आग में गिर गया। घटनास्थल पर मौजूद लोग उन्हें तत्काल लिंगसुगुर सरकारी अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगा रही है कि हादसा लापरवाही, भीड़भाड़ या सुरक्षा व्यवस्था की कमी के कारण हुआ या नहीं।

स्थानीय प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वह सार्वजनिक आयोजनों में सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन करें। खतरनाक करतबों के दौरान पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की जाए।

प्रशिक्षित लोगों की देखरेख में ही ऐसे धार्मिक प्रदर्शन किए जाएं। बता दें मुहर्रम इस्लामी कैलेंडर का पहला महीना है। इस दौरान हजरत इमाम हुसैन और उनके अनुयायियों की कर्बला में शहादत को याद किया जाता है।

इस अवसर पर देशभर में ताजिया जुलूस, मातम, और धार्मिक आयोजन होते हैं।

इस हादसे ने गांव और आसपास के क्षेत्रों में शोक की लहर दौड़ा गई। ग्रामीणों और धार्मिक संगठनों ने हनुमंत की मृत्यु पर दुख जताया है।

कई संगठनों ने इस हादसे के बाद मुहर्रम कार्यक्रमों में सुरक्षा उपायों को और सख्त करने की मांग की है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)